सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

# परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 40, नई दिल्ली । सोमवार, 22 अप्रैल 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

सफलता तुम्हारा परिचय दुनिया से करवाती है और असफलता तुम्हें दुनिया का परिचय करवाती है।

03 दिल्ली-हरियाणा वाले वाहन चालकों को 70 दिन बाद बड़ी राहत

06 लोकतंत्र का विरोधाभास : निराश मतदाता और जवाबदेही की तलाश

08 लू की खबर पढ़ते हुए लाइव टीवी पर बेहोश हुई टीवी एंकर...

# दिल्ली में जनता को सार्वजनिक सवारी सेवा देने वाले 1आरटी वाहन मालिकों का क्या है दोष जो विभाग उनके वाहनों की नही कर रहा फिटनेस?

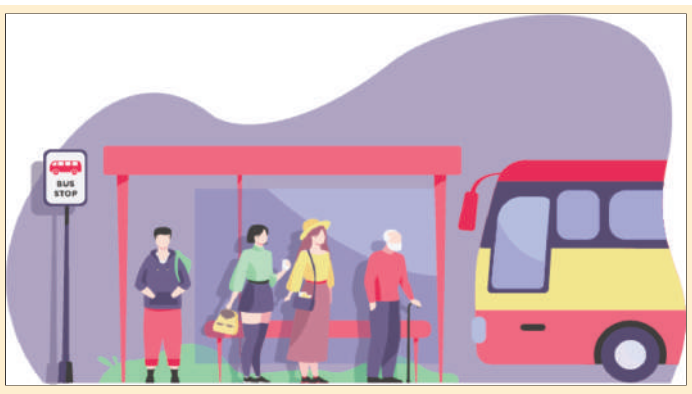


संजय बाटला

**नई दिल्ली।** दिल्ली राज्य में जनता को पिछले कई सालों से सार्वजनिक सवारी सेवा प्रदान करने वाले आरटी श्रेणी के वाहन मालिक अप्रैल महीने के शुरु से अपने वाहनों की फिटनेस को लेकर हो रहे हैं परेशान और कोई नहीं है उनकी मदद करने को तैयार आख़िर क्यों, क्या है उनका गुनाह ? दिल्ली सरकार द्वारा घोषणा की गई थीं और उसके अंतर्गत आरटी श्रेणी में चलने वाले वाहनों को फ्री जीपीएस नेविगेशन सिम प्रदान की जाती रही पर सिम देने वाली कम्पनी ने अप्रैल महीने के शुरु होने के साथ ही आरटी श्रेणी वाहनों के लिए फ्री सिम और फ्री दी गई सिमो का रिचार्ज करने से मना कर दिया जिस कारण आरटी श्रेणी के वाहनों के जीपीएस काम करना बंद हो गए और बंद जीपीएस को ट्रेक नही किया जा सकता इसलिए डिम्ट्स द्वारा उनकी ट्रेकिंग के नाम से काटी जाने वाली जीरो फीस स्लिप भी काट कर देने से मना कर दिया। फिटनेस जांच शाखा फिटनेस करने के लिए डिम्ट्स द्वारा जारी फीस स्लिप की मांग और सिस्टम पर जीपीएस नेविगेशन सिस्टम को कार्यरत मांग रही है जिस कारण अप्रैल महीने से आरटी श्रेणी के वाहन मालिक जिनके भी वाहनों की फिटनेस आ गई है परेशान है और परिवहन विभाग के आला अधिकारी की कृपा दृष्टि की आशा लिए भटक रहे हैं पर अभी तक इतने दिनों में परिवहन विभाग के आला अधिकारी को इनकी परेशानी का हल निकालने का समय ही नहीं मिला। **दिल्ली सरकार की फ्री की सभी घोषणाए अभी तक पहले की तरह ही चल रही है पर दिल्ली की जनता को सार्वजनिक सवारी सेवा प्रदान करने वाले इन आरटी श्रेणी वाहनों के लिए बंद क्यों ?** कोई नहीं जानता, बस यह जानता है की वाहन मालिक हो रहे हैं परेशान। दिल्ली परिवहन विभाग अगर सिम फ्री में नही देना चाहता तो वाहन मालिकों को लिखित में बताए की वह कहा से उनके जीपीएस नेविगेशन डिवाइस के लिए सिम खरीदे और कैसे डिम्ट्स से अपने वाहनों की फिटनेस के लिए मांगे जाने वाली फीस स्लिप प्राप्त कर अपने वाहनों की फिटनेस करवा कर परेशानी से छुटकारा पा सके।

# गाड़ी चलाते समय फोन के इस्तेमाल का घातक परिणाम...

डॉ. अंकुर शरण

**नई दिल्ली।** ऐसे युग में जहां स्मार्टफोन सर्वव्यापी हैं, गाड़ी चलाते समय उनका उपयोग करने का खतरा एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। अनुसंधान लगातार इस अहानिकर कृत्य से उत्पन्न गंभीर खतरों पर प्रकाश डालता है। त्वरित संचार और डिजिटल जुड़ाव का आकर्षण अक्सर सावधानी पर भारी पड़ता है, जिससे सड़क पर विनाशकारी परिणाम होते हैं।

आँकड़े एक गंभीर तस्वीर पेश करते हैं: विचलित ड्राइविंग से दुनिया भर में हर साल हजारों लोगों की जान चली जाती है, और अनगिनत लोगों को दुर्बल करने वाली चोटों का सामना करना पड़ता है। एक सेकंड के विभाजन के लिए भी, स्क्रीन पर नज़र डालने की क्रिया के परिणामस्वरूप घातक टकराव हो सकता है, परिवार और समुदाय बिखर सकते हैं। संदेश भेजने, ब्राउज़ करने या फ़ोन पर बात करने से ड्राइविंग के प्राथमिक कार्य से ध्यान हट जाता है, जिससे नशे में गाड़ी चलाने के समान प्रतिक्रिया समय ख़राब हो जाता है।

व्यापक जागरूकता अभियानों और विधायी उपायों के बावजूद, डिजिटल क्षेत्र का आकर्षण बना हुआ है, जिसमें ड्राइवर क्षणिक ध्यान भटकाने के लिए जान जोखिम में डाल रहे हैं। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी आगे बढ़ती है, हैंड्स-फ्री डिवाइस और ड्राइवर सहायता प्रणाली जैसे समाधान आशा प्रदान करते हैं, फिर भी ज़िम्मेदारी अंततः व्यक्तिगत विकल्पों पर निर्भर करती है।

इस महामारी को रोकने के लिए, एक ठोस प्रयास जरूरी है, जिसमें गंभीर जोखिमों पर जोर दिया जाए और गाड़ी चलाने के पीछे अविभाजित ध्यान की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए।

"संदेश स्पष्ट है: गाड़ी चलाते समय फ़ोन इंतज़ार कर सकता है।"

# भारत देश के सभी मतदाताओं से परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र की और से मतदान के लिए अपील

परिवहन विशेष न्यूज

*NOTA बटन दबाने से पहले एक बार अवश्य सोचे, क्या यह देश हित में हमारे द्वारा उठाया गया सही कदम है?अत: गुमराह होने से बचें !!*

**नई दिल्ली।** नोटा से अपना वोट नष्ट न करें। नोटा का बटन दबाकर अपना वोट डालकर स्वयं को शिक्षित, बुद्धिमान और तटस्थ होने के अभिमान से बचें, क्योंकि आप यदि शिक्षित और बुद्धिमान हैं तो आपका तटस्थ रहना देश के लिए घातक है, आपके द्वारा सही प्रतिनिधित्व करने वाले को मत कर देश के लोकतंत्र का जिम्मा है, अत:

1. मतदान के दिन छुट्टी और पिकनिक नहीं मनाएं, बल्कि सबसे पहले अपना मतदान करें और दिनभर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित कर लोकतंत्र के पुजारी बनें।

2. हमारे लोकतांत्रिक व्यवस्था में कुछ कमियां हैं जैसे जाति आधारित चुनाव, मतदान एवं प्रचार, प्रलोभन, धन बल का दुरुपयोग, दलबदल इत्यादि, इसलिए लोकतंत्र में सुधार के लिए मतदान करें।

3. भारत में मूलभूत सुधार की प्रक्रिया

विधानसभा, लोकसभा और राज्यसभा से होकर पूरी होती है, इसलिए केवल प्रत्याशी और छोटे छोटे स्वार्थ के मुद्दों से ऊपर उठकर पार्टी और देश के लिए मतदान करें क्योंकि किसी भी सुसंगठित राजनैतिक दल का प्रत्याशी दल के नेतृत्व और अनुशासन से बंधा होता है।

4. चुनाव को व्यापार बनाकर, चुनावी समीकरण बनाने और बिगाड़ने के लिए पैसा लेकर निर्दलीय चुनाव लड़ने और समर्थन करने वाले छद्म दलों, भ्रष्ट और स्वार्थी गठबंधनों और प्रत्याशियों को वोट देकर अपना अमूल्य मत नष्ट न करें।

5. आपका एक मत विधानसभा से लेकर संसद और प्रधानमंत्री के चुनाव में अहम भूमिका निभाता है इसलिए राष्ट्र के लिए दूरदृष्टि से मतदान करें।

6. चुनावी प्रलोभन और खोखली घोषणाओं को दृष्टिगत रखते हुए अपने आस पास हुए विकास कार्यों जैसे हर नागरिक की क्षमता अनुसार शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं की उपलब्धता, नागरिक सुरक्षा संबंधी कार्य, फ्लाई ओवर, मेट्रो, फोर लेन रोड, बिजली और जल की उपलब्धता जैसे विकास कार्यों को भी देखें। साथ ही नागरिकों के बीच सदभाव बनाए रखने और बढ़ाने हेतु कौन बेहतर काम कर सकता है।

7. अतिक्रमणकारियों, असामाजिक तत्वों को संरक्षण देने वाले, महिलाओं बेटियों का अपमान करने वाले जाति मजहब और वर्ग के आधार पर असामाजिक तत्वों को संरक्षण देने वाले, शराब और कंबल बांटकर अशिक्षित लोगों को बरगलाकर चुनाव जीतने वालों को पहचानें।

8. सही दिशा और स्पष्ट नीति के लिए देश एवं राष्ट्रहित में मतदान अवश्य करें।

संगठित मतदाता, देश का भाग्यविधाता। किसी की नज़रों में आप भले निकम्मे और नालायक हों पर लोकतंत्र के प्रति आपकी ज़िम्मेदारी है और चुनाव आयोग और भारत देश आपको हमेशा, एक जिम्मेदार नागरिक बताते हैं।

**अपना वोट जरूर डालें।**

# टोलवा की दिल्ली के सभी व्यवसायिक श्रेणियों के वाहन मालिकों से अपील

**अपना वोट जरूर डाले और बेखौफ उस नेता को दे जो कल आपकी बात उठाने में साथ दे**

ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एंड लेबर वेलफेयर एसोसिएशन इलेक्शन कमिश्नर से बैठक का समय लेकर दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा वोटर को वोट देने की सोच को बदलने के प्रति खेले जा रहे खेल की सूचना प्रस्तुत करेगा और इस खेल को खेलने वाले अधिकारी के खिलाफ करेगा कार्यवाही की मांग।

# रोटेशन की 2200 बसों से होगी चारधाम यात्रा, 26 अप्रैल को निकाली जाएगी लॉटरी

परिवहन विशेष न्यूज

**देहरादून।** चारधाम यात्रा में इस बार संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति की 2,200 बसें शामिल होंगी। यात्रा में बसों के नंबर के लिए 26 अप्रैल को लॉटरी निकाली जाएगी। चारधाम यात्रा संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति ने रोटेशन की बसों से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अतिरिक्त स्लॉट जारी करने की मांग की है।

आईएसबीटी स्थित चारधाम यात्रा संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति के कार्यालय में हुई बैठक में रोटेशन के अध्यक्ष नवीन रमोला ने कहा, चारधाम यात्रा के लिए 26 अप्रैल को लॉटरी निकाली जाएगी। नौ मई को यात्रा का शुभारंभ होगा। कहा, जो यात्री रोटेशन की बसों से यात्रा करेंगे उनके लिए स्लॉट आरक्षित किए जाएंगे। कहा, धामों में दर्शन करने वाले यात्रियों की संख्या की वैधता खत्म की जाए। कहा, यदि इस बार परिवहन विभाग के अधिकारियों की ओर से कोई नई परिपाटी शुरू की गई तो रोटेशन समिति कोई सहयोग नहीं करेगी। कहा, चारधाम यात्रा का मुख्यद्वार ऋषिकेश है। 1943 से ऋषिकेश से चारधाम की यात्रा का संचालन हो रहा है। हरिद्वार में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, मेरठ, राजस्थान, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब से करीब पांच हजार वाहन एकत्रित किए जाते हैं। कहा, इन वाहनों को चारधाम के लिए यात्रियों को भेजा जाता है, जो गलत है। समिति पदाधिकारियों ने कहा, जो यात्री रोटेशन की बसों से यात्रा करते हैं, उनके लिए हेली सेवा में कुछ प्रतिशत टिकट आरक्षित होने चाहिए। बैठक में सुधीर राय, संजय शास्त्री, बलवीर रौतेला, मनोज ध्यानी, भोपाल सिंह, आशुतोष तिवाड़ी, सुधीर रतूड़ी आदि उपस्थित रहे।

# शराब की उपलब्धता और सड़क सुरक्षा: दिल्ली एनसीआर के लिए चिंता का विषय : डॉ अंकुर शरण

डॉ अंकुर शरण

दिल्ली एनसीआर में शराब की व्यापक उपलब्धता सड़क सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है, नशे में गाड़ी चलाने के कारण घटनाएं और दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। मौजूदा कानूनों और जागरूकता अभियानों के बावजूद, शराब तक आसान पहुंच शराब पीने को सामान्य बनाती है और विशेष रूप से युवाओं में गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार को बढ़ावा देती है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल नशे में गाड़ी चलाने के मामलों में 22% की वृद्धि हुई है। 1 जनवरी से 31 मार्च के बीच, 6,591 नशे में धुत ड्राइवरों पर मुकदमा चलाया गया, जो 2023 और 2022 के आंकड़ों से काफी वृद्धि दर्शाता है। अकेले 2022 में, नशे में गाड़ी चलाने से देश भर में 3,268 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जो इस मुद्दे की गंभीरता को उजागर करती हैं।

मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185 के तहत, शराब पीकर गाड़ी चलाना एक आपराधिक अपराध है, जिसके लिए छह महीने की कैद और 2,000 रुपये का जुर्माना हो सकता है। बार-बार अपराध करने वालों को और भी कठोर दंड का सामना करना पड़ता है, जिसमें दो साल तक की कैद और 3,000 रुपये का जुर्माना शामिल है। इन कानूनी बाधाओं के बावजूद, शराब की पहुंच एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है।

इस समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण आवश्यक है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शराब की बिक्री और खपत को नियंत्रित करने वाले कानूनों को सख्ती से लागू करना जरूरी है। अधिकारियों को अवैध रूप से शराब बेचने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करनी चाहिए और मौजूदा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए।

इसके अलावा, नशे में गाड़ी चलाने के खतरों के बारे में जनता को शिक्षित करने और जिम्मेदार शराब की खपत को बढ़ावा देने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आवश्यक हैं। शराब के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को बदलकर और सड़क सुरक्षा के महत्व पर जोर देकर, हम नशे में गाड़ी चलाने की व्यापकता को कम कर सकते हैं और अपनी सड़कों को सभी के लिए सुरक्षित बना सकते हैं।

सामुदायिक भागीदारी और सहायता नेटवर्क भी इस मुद्दे को संबोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्थानीय संगठन और स्वयंसेवक जागरूकता अभियान आयोजित करने, शराब के दुरुपयोग से जूझ रहे व्यक्तियों को सहायता प्रदान करने और सख्त नियमों की वकालत करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग कर सकते हैं।

दिल्ली एनसीआर में शराब की अनियंत्रित उपलब्धता सड़क सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है। कड़े प्रवर्तन उपायों को लागू करके, जागरूकता बढ़ाकर और सामुदायिक समर्थन को बढ़ावा देकर, हम नशे में गाड़ी चलाने से जुड़े जोखिमों को कम कर सकते हैं और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बना सकते हैं।

***Email :***
***roadsafetysquad@gmail.com***
***(Road Safety Omni Foundation)***

डॉ. अंकुर शरण
नेशनल चीफ प्लानिंग एंड ट्रांसपोर्ट ऑफिसर
रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.)

# पृथ्वी दिवस विशेष अभियान: "मेरी धरती, मेरा घोसला"

जैसा कि हम "मेरी धरती, मेरा घोसला" 22 अप्रैल से 30 अप्रैल तक पृथ्वी दिवस मनाने का आव्हान कर रहे हैं, हम अपने खूबसूरत ग्रह और हमारे घरों के बीच गहरे संबंध को पहचानते हैं। जिस प्रकार हमारे घर हमें आश्रय और प्रेम प्रदान करते हैं, उसी प्रकार पृथ्वी अपने प्रचुर संसाधनों से हमारा भरण-पोषण करती है।

अब समय आ गया है कि हम अपने घरों, परिवारों और समुदायों के भीतर दयालुता के कार्यों के माध्यम से अपने ग्रह का पोषण और संरक्षण करके उसे वापस लौटाएं।

छोटी लेकिन प्रभावशाली पहलों के माध्यम से, हम सामूहिक रूप से अपने ग्रह के चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं। परिवहन विशेष, रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन और MeraGhosla.com के सहयोग से, आपको पृथ्वी को मुस्कुराने के उद्देश्य से अपनी सर्वोत्तम पहल और गतिविधियों को साझा करने के लिए आमंत्रित करता है। प्रत्येक कार्य, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, हमारे पर्यावरण की बेहतरी में योगदान देता है।

हम 30 अप्रैल तक Indiangreenbuddy@gmail.com पर ईमेल के माध्यम से आपकी सर्वोत्तम पहल, कला और रचनात्मकता की प्रविष्टियों का स्वागत करते हैं। चाहे वह पोस्टर हो, हिंदी में English लेख (200-300 शब्द), कविता, या स्थायी समाधान, हम आपको हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के समर्थन में अपने प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

हमारे स्वयंसेवकों, युवाओं और बच्चों को व्यक्तिगत रूप से हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने में क्यों शामिल होना चाहिए? क्योंकि यह सिर्फ वर्तमान के बारे में नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुरक्षित करने के बारे में भी है। पर्यावरणीय पहलों में खुद को शामिल करके, हम न केवल अपने ग्रह की भलाई में योगदान करते हैं बल्कि अगली पीढ़ी में जिम्मेदारी और नेतृत्व की भावना भी पैदा करते हैं।

अब उन सर्वोत्तम प्रथाओं का पता लगाने और उन्हें लागू करने का समय आ गया है जो भविष्य के लिए हमारे ग्रह की सुरक्षा करेंगी। आइए स्थायी जीवन पद्धतियों को अपनाकर और पर्यावरण चेतना की संस्कृति को बढ़ावा देकर हर दिन को पृथ्वी दिवस बनाएं। आइए मिलकर एक ऐसी दुनिया बनाएं जहां हमारा ग्रह फल-फूल सके और हर प्राणी फल-फूल सके।

पृथ्वी दिवस मनाने में हमारे साथ शामिल हों और आइए अपने सामूहिक घर को उसके सभी निवासियों के लिए एक बेहतर स्थान बनाएं। एक साथ मिलकर, हम एक समय में एक छोटा सा कार्य करके बदलाव ला सकते हैं।

"चयनित कार्यों को परिवहन विशेष के आगामी संस्करण में प्रदर्शित किया जाएगा" send email at indiangreenbuddy@gmail.com

***- अंकुर***

# कई गंभीर बीमारियों से बचाव करता है पपीते के पत्ते का रस, प्रेग्नेंसी में भूलकर भी न करें इसका सेवन

अगर आप भी सेहतमंद बने रहना चाहते हैं, तो आपको पपीते के पत्ते का रस बनाकर पीना चाहिए। बता दें कि पपीते के पत्ते का रस त्वचा, लिवर, बालों आदि के लिए लाभकारी होता है। आज हम आपको पपीता के पत्ते के जूस के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

पपीता एक ऐसा फल है, जिसके सेवन से हमारे शरीर को कई तरह से फायदा मिलता है। लेकिन सिर्फ पपीता ही नहीं बल्कि पपीते का पत्ता भी औषधीय गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में अगर आप भी सेहतमंद बने रहना चाहते हैं, तो आपको पपीते के पत्ते का रस बनाकर पीना चाहिए। बता दें कि पपीते के पत्ते का रस त्वचा, लिवर, बालों आदि के लिए लाभकारी होता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पपीता के पत्ते के जूस के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

**डेंगू बुखार में फायदेमंद**

बदलते मौसम में बहुत सारे लोग डेंगू से परेशान रहते हैं। वहीं इस बीमारी के कारण हर साल देश में कई लोग जान गंवा देते हैं। डेंगू में दाने, सिरदर्द, तेज बुखार, जोड़ों और मसल्स में दर्द, आंख में दर्द और कपकपी लगती है। डेंगू के बुखार में शरीर में प्लेटलेट तेजी से गिरती हैं, जिसके कारण कई बार मरीज की जान चली जाती है। प्लेटलेट्स काउंट बढ़ाने के लिए डेंगू के मरीज को रोजाना दिन में दो बार पपीते के पत्ते का 25 एमएल रस पीना चाहिए। क्योंकि इसके रस में बायोएक्टिव यौगिक होते हैं, जो डेंगू बुखार के असर को कम करने में सहायक होते हैं।

**एंटी मलेरिया होता है पपीते का पत्ता**

पपीते के पत्ते, फल, बीज और जड़ में एंटी मलेरियल गुण पाया जाता है। जो बल्ड में मौजूद पैरासाइट्स को खत्म करने का काम करता है। इससे मलेरिया जैसी बीमारी के रोकथाम में मदद मिलती है। इसलिए आप चाहें तो रोजाना पपीते के पत्ते के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं।

**पेट की सेहत**

पपीते के पत्तों में कारपैन के रासायनिक यौगिक पाए जाते हैं, जो डाइजेशन सिस्टम को सही रखता है। इसके सेवन से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल डिसऑर्डर जैसे इर्रिटेबल बॉवेल सिंड्रोम राहत मिलती है। वहीं पपीते के पत्ते के रस के इस्तेमाल से अल्कोहल की वजह से होने वाले गैसट्रिक की परेशानी या अल्सर भी ठीक हो सकता है।

**लिवर के लिए फायदेमंद**

कई बार हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया यानी उच्च कोलेस्ट्रोल की वजह से लिवर खराब हो सकता है। इस समस्या से बचने के लिए पपीते के पत्ते का रस पीना चाहिए। क्योंकि यह कोलेस्ट्रोल लेवल को कम करने के साथ ही खून को साफ करता है। साथ ही यह रस पीलिया और सिरोसिस आदि से बचाने में सहायक होता है।

**इम्यूनिटी को बढ़ाए**

पपीते के पत्ते का रस इम्यूनिटी को बूस्ट कर तमाम बीमारियों से शरीर की रक्षा करता है। इस रस में इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुण पाया जाता है। जिसकी सहायता से प्रतिरक्षा प्रणाली शरीर में जरूरत के अनुसार काम करता है।

**एंटी-कैंसर**

पपीते के पत्ते के जूस में इम्यूनोमॉड्यूलेटरी मौजूद होता है। जो कैंसर जैसी कई खतरनाक बीमारियों से लड़ने में सहायक होता है। इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव बॉडी में बढ़ रहे कैंसर सेल्स और ट्यूमर सेल्स को बढ़ने से रोकता है।

**एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी नोसाइसेप्टिव**

आपको बता दें कि पपीते के पत्ते में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह शरीर में किसी भी तरह की सूजन को कम करता है और इसमें एंटीनोसाइसेप्टिव प्रभाव भी होता है। पपीते के पत्ते का रस एंटी नोसाइसेप्टिव एजेंट न्यूरॉन्स और नर्वस सिस्टम में दर्द पैदा करने वाले और हानिकारक तत्व का पता लगाकर उनको रोकने का कार्य करता है।

## प्रेग्नेंसी में UTI होने से शिशु के स्वास्थ्य पर पड़ता है असर, हो जाए सावधान

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को यूटीआई होने का खतरा बना रहता है। अगर यूटीआई हो जाए तो महिलाओं को प्रीटर्म लेबर या प्री-मैच्योर डिलीवरी हो सकती है। आज हम आपको इस लेख में बताएंगे कि यूटीआई होने पर प्रेग्नेंट महिला के बच्चे पर क्या असर पड़ सकता है? इस दौरान महिलाओं को अधिक सावधानी बरतने की जरुरत होती है।

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को हेल्थ ध्यान रखना बेहद जरुरी होता है। आमतौर पर प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को यूटीआई इंफेक्शन खतरा ज्यादा रहता है। यूटीआई यानी यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन, जब यूरिनरी सिस्टम में किसी तरह का इंफेक्शन होता है, तो उसे यूटीआई के नाम से जानते हैं। यूरिनरी सिस्टम में किडनी, ब्लैडर, यूरेथ्रा जैसे अंग आते हैं। इस दौरान महिलाओं को अधिक सावधानी बरतने की जरुरत होती है। आज हम आपको इस लेख में बताएंगे कि यूटीआई होने पर प्रेग्नेंट महिला के बच्चे पर क्या असर पड़ सकता है?

**प्रेग्नेंसी में UTI होने पर शिशु के स्वास्थ्य पर असर**

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को कई तरह की शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं। इसी वजह से अक्सर गर्भवती महिलाओं से यूटीआई के लक्षणों की अनदेखी हो जाती है। जबकि, ऐसा किया जाना बिल्कुल सही नहीं है। इंफेक्शन से बचने के लिए सही ट्रीटमेंट और हाईजीन का ध्यान रखकर इन समस्याओं से बचा जा सकते है। अगर ज्यादा समय तक इसे अनदेखी की तो यह उनके हेल्थ के लिए ठीक नहीं है। गर्भ में पल रहे शिशु के लिए भी हानिकारक हो सकता है। दरअलल, प्रेग्नेंसी के के समय महिलाओं का शरीर काफी कमजोर होता है और इम्यूनिटी भी कमजोर हो जाती है। ऐसे में अगर यूटीआई का इलाज न किया जाए, तो इंफेक्शन अंदर तक फैल सकता है। जिसकी वजह से, बच्चे का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। यूटीआई के कारण महिला को प्रीटर्म लेबर, प्रीमैच्योर डिलीवरी और यहां तक कि भ्रूण की मृत्यु तक हो सकती है।

**प्रेग्नेंसी में UTI के जोखिम कम करने के उपाय**

गर्भवती महिलाओं को इस दौरान विशेष ख्याल रखना चाहिए। साथ ही इंटीमेट हाइजीन पर भी गौर करें ताकि यूटीआई जैसे इंफेक्शन हों। चलिए आपको बताते हैं यूटीआई के जोखिम कम कैसे करें।

- हर बार पेशाब करने के बाद वजाइना को सादे पानी से धोएं।
- गंदी जगह या पब्लिक टॉयलेट का यूज करने से बचें।
- अगर इमर्जेंसी में पब्लिक टॉयलेट कताई यूज न करे, अपने साथ डिसइंफेक्टेंट स्प्रे रखें। सीट को पहले डिसइंफेक्ट करें। इसके बाद टिश्यू से क्लीन करने के बाद टॉयलेट का यूज करें।

# घर का खाना खाने में बच्चा दिखाता है नखरे, तो जरूर फॉलो करें ये टिप्स

पेरेंट्स के मन में यह सवाल भी आता है कि बच्चा खाना नहीं खा रहा है, तो वह क्या करें। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं। जिनको फॉलो करने से बच्चे जल्दी खाना खत्म कर लेंगे।

बच्चों को जंक फूड खाना बेहद पसंद होता है। लेकिन घर का खाना खाने में बच्चा हजार तरह के बहाने बनाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स बच्चों को जबरदस्ती खाना खिलाते हैं। ऐसे में कई बार जबरदस्ती करने पर बच्चा रोने लगता है। लेकिन पेरेंट्स के पास भी अन्य कोई ऑप्शन नहीं था। क्योंकि अगर बच्चे को पोषक तत्वों से भरपूर खाना खिलाना है, तो उन्हें जबरदस्ती करनी पड़ेगी।

ऐसे में कई पेरेंट्स के मन में यह सवाल भी आता है कि बच्चा खाना नहीं खा रहा है, तो वह क्या करें। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं। जिनको फॉलो करने से बच्चे जल्दी खाना खत्म कर लेंगे।

**अच्छे से परोसें खाना**

पेरेंट्स को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आप प्लेट में दाल-चावल, रोटी और सलाद ऐसे ही रखकर देंगे। तो बच्चे को खाने का प्लेट अच्छा नहीं लगेगा। बल्कि इसकी बजाय बच्चे के खाने को कलरफुल बनाने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए आप उनकी खाने की प्लेट में अलग-अलग रंगों की सब्जियों का सलाद शामिल करें। आप टमाटर और खीरा को अच्छे से शेप में काटें। जब बच्चों को खाना देखकर अच्छा लगेगा, तो वह बड़े चाव से खाना खत्म कर लेंगे।

**बच्चों के साथ मिलकर परोसे खाना**

जब भी आप खाना परोसने की तैयारी करें, तो फलों को काटने, सलाद को अरेंज करने आदि में बच्चों को भी शामिल करें। आप सलाद काटने के बाद बच्चों से इसको अरेंज करवा सकते हैं। ऐसे में जब आपका बच्चा खाने की तैयारी में साथ होगा, तो उसको खाने के प्रति लगाव भी होगा। इस कारण वह अधिक खाना खाएगा।

**खाने में शामिल करें वैरायटी**

आप यदि खाने में वैरायटी को शामिल करेंगे तो इससे बच्चे को अलग-अलग फल और सब्जियों से भरपूर पोषण मिलेगा। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि उनको आयरन, विटामिन के साथ कई अन्य तरह के न्यूट्रिएंट्स से भरपूर खाना दें। अगर आप हर दिन बच्चे को एक जैसा खाना देते हैं, तो वह बोर हो जाएगा। वहीं बदल-बदलकर खाने के आइटम परोसने पर बच्चे के अंदर खाने को लेकर क्रेज दिखेगा और वह बड़े चाव से खाना मिलेगा।

## इन लो कार्ब फूड्स से भी बढ़ सकता है वजन

नारियल का सेवन सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। हालांकि, नारियल और नारियल तेल में कैलोरी कांउट अधिक होता है। इसमें कार्ब्स कम और हेल्दी फैट्स अधिक पाया जाता है। जब आप कुकिंग के दौरान इनका अधिक मात्रा में सेवन करते हैं तो इससे आपका वजन बढ़ सकता है।

आज के समय में अधिकतर लोग वजन कम करना चाहते हैं और इसलिए वे अपनी डाइट पर खास ध्यान देते हैं। अमूमन वेट लॉस प्रोसेस के दौरान लोग अपने कैलोरी काउंट व कार्ब्स को कम करने की कोशिश करते हैं। यही कारण है कि वे लो कार्ब फूड्स को अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं। उन्हें लगता है कि इससे उनका जल्दी-जल्दी वजन कम होगा। जबकि यह पूरी तरह से सच नहीं है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन ऐसे कई लो कार्ब फूड्स होते हैं, जो वास्तव में आपका वजन बढ़ा सकते हैं-

लो कार्ब स्वीटनर

आजकल लोग अपने कार्ब्स को कट डाउन करने के लिए लो कार्ब स्वीटनर का सेवन करते हैं। स्टीविया से लेकर मॉन्क फ्रूट तक, शुगर के पॉपुलर अल्टरनेटिव्स माने जाते हैं, क्योंकि वे ब्लड शुगर लेवल को नहीं बढ़ाते हैं। हालांकि, इनके सेवन से आपका वजन बढ़ सकता है, क्योंकि इनसे आपको ना केवल कैलोरी मिलती है, बल्कि आपको अन्य स्वीट फूड्स को खाने की क्रेविंग्स भी बढ़ती है।

**नारियल और नारियल तेल**

नारियल का सेवन सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। हालांकि, नारियल और नारियल तेल में कैलोरी कांउट अधिक होता है। इसमें कार्ब्स कम और हेल्दी फैट्स अधिक पाया जाता है। जब आप कुकिंग के दौरान इनका अधिक मात्रा में सेवन करते हैं तो इससे आपका वजन बढ़ सकता है। इसलिए, आप नारियल और नारियल तेल को अपनी डाइट में शामिल करें, लेकिन इसकी मात्रा का खास ध्यान रखें।

**प्रोसेस्ड लो कार्ब फूड्स**

आजकल मार्केट में आपको कई लो कार्ब प्रोटीन बार से लेकर स्नैक्स आदि मिल जाएंगे। लोग इनका सेवन बिना सोचे समझे करते हैं। इन प्रोसेस्ड फूड में कार्ब्स भले ही कम हो, लेकिन इनमें शुगर, अनहेल्दी फैट्स व आर्टिफिशियल इंग्रीडिएंट्स को शामिल किया जाता है। इसलिए, अगर इनका बार-बार सेवन किया जाता है तो इससे आपका वजन बढ़ना शुरू हो जाता है।

**नट्स**

नट्स का सेवन करने की सलाह तो हर किसी को दी जाती है, क्योंकि इनमें हेल्दी फैट्स और प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। वहीं, ये लो कार्ब फूड माने जाते हैं। लेकिन आपको इनका सेवन करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इनका कैलोरी काउंट भी काफी अधिक होता है। इसलिए, अगर इनका अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है तो इससे आपका वजन बढ़ सकता है।

# लगातार डेस्क पर बैठे रहकर करते हैं जॉब, तो यह बोतल से की जानी वाली एक्सरसाइज करें, जानें तरीका

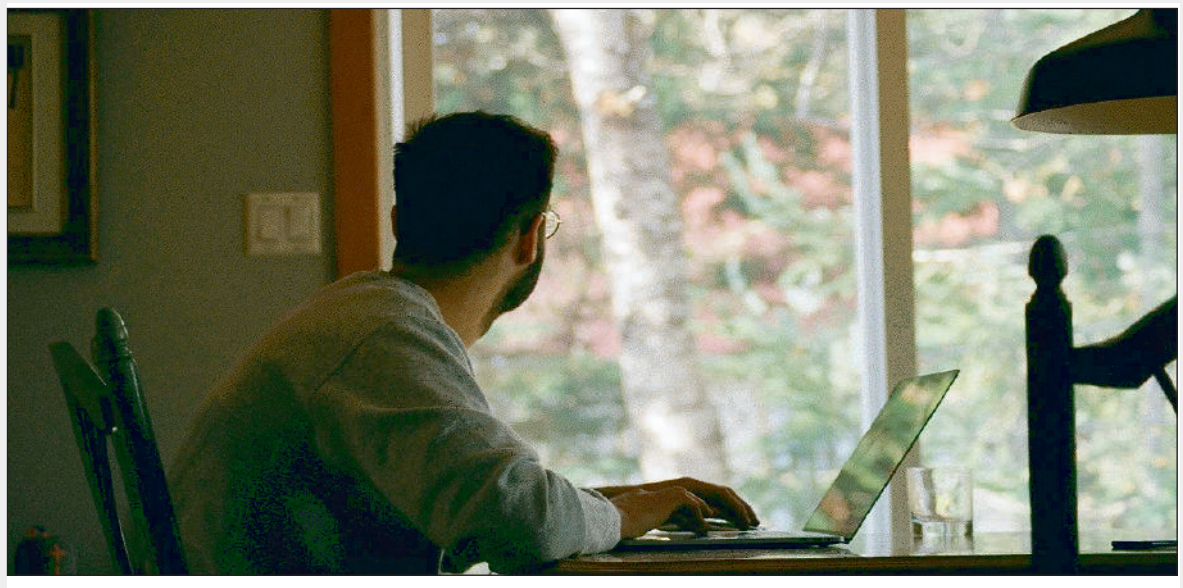

अगर आप ऑफिस में घंटो डेस्क जॉब करने के बाद अधिकतर लोगों को पीठ, कमर और गर्दन में दर्द की समस्या रहती है। दरअसल, ऑफिस में डेस्क जॉब करते हुए लोगों की शारीरिक गतिविधियों में कमी आने लगती है। शरीर में मोटापा बढ़ने लगता है। इसके कारण कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का खतरा अधिक होता है, जबकि जिन लोगों को पहले से ही डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर होता है, उनके लक्षण मोटोपे का कारण गंभीर रुप ले सकते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए आप पानी की बोतल से ऑफिस के छोटे ब्रेक में एक्सरसाइज कर सकते हैं। चलिए आपको इसके फायदे

**डेस्क जॉब करने वालों के लिए बोतल से की जाने वाली एक्सरसाइज के फायदे**

**रीढ़ की हड्डी के एलाइनमेंट को ठीक करें**

गलत तरीक से बैठने की वजह से लोगों को पीठ दर्द की समस्या हो सकती है। दरअसल, काम करते समय लोग गलत तरीके से बैठे रहते है। हांलाकि, कुछ दिन बाद यह पीठ और कमर दर्द का कारण बन सकता है। ऐसे में आप पानी की बोतल से एक्सरसाइज कर गलत पोश्चर की वजह से होने वाली समस्या से खुद का बचाव कर सकते हैं। इससे पीठ का पुराना दर्द भी दूर हो जाता है।

**कोर मांसपेशियों को करें मजबूत**

बॉडी की कोर मांसपेशियों में रीढ़ की हड्डी को सहरा देने और पीठ को सपोर्ट करने का कार्य करती हैं। पानी की बोतल से आप कोर मांसपेशियों को मजबूत बना सकते हैं। इससे पीठ का दर्द कम होता है और कमर दर्द में भी आराम मिलता है।

**फ्लैक्सिब्लिटी को बेहतर करें**

घंटों सीट में बैठने की वजह से अकड़न की समस्या हो सकती है। ऐसे में आपकी रीढ़ की हड्डी को मुड़ने में दर्द और परेशानी होने लगती है। इस समस्या में आप पानी की बोतल से की जाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं। इससे शरीर के ऊपरी हिस्से का लचीलापन बेहतर होता है और रीढ़ की हड्डी की फ्लैक्सब्लिटी बेहतर होती है।

इस तरह से करें पानी की बोतल से एक्सरसाइज

- सबसे पहले आप कुर्सी पर बैठे रहे और खाली पानी की बोतल को दाएं हाथ से उठाएं।
- बोतल को घुमाते हुए पीठ के पीछे ले जाएं और बाएं हाथ से इसे पकड़े।
- इसी तरह से बाएं हाथ से बोतल को घुमाते हुए पीठ के पीछे ले जाएं।
- इसके बाद बोतल को दाएं हाथ से पकड़े।
- इसके आप 5 से 7 सेट कर सकते हैं।
- वहीं ये करने से हाथों और पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव आता है।

# खीरे के बिना अधूरी है गर्मियों की डाइट, गर्म दिनों की परेशानियों से राहत के साथ मिलेंगे कई फायदे

गर्म दिनों की चिलचिलाती धूप अक्सर हमें थका देती है और हम निर्जलित महसूस करने लगते हैं, ऐसे में खीरे को डाइट में शामिल करने से शरीर में महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की भरपाई करने में मदद मिल सकती है, जो हमें फिर से तरोताजा और पुनर्जीवित महसूस कराने के लिए जरुरी है।

गर्मी के महीनों की परेशानियों से बचने के लिए हम कई चीजों का सेवन करते हैं। इन चीजों में खीरा भी शामिल होता है, जो गर्म दिनों में हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य का ध्यान रखने में हमारी मदद करता है। खीरा ताजगी और हाइड्रेटिंग होता है। इसके साथ ये उन आवश्यक पोषक तत्वों से भी भरपूर हैं, जो गर्मियों के दिनों में डाइट में शामिल करने जरूरी हो जाते हैं। दरअसल, गर्म दिनों की चिलचिलाती धूप अक्सर हमें थका देती है और हम निर्जलित महसूस करने लगते हैं, ऐसे में खीरे को डाइट में शामिल करने से शरीर में महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की भरपाई करने में मदद मिल सकती है, जो हमें फिर से तरोताजा और पुनर्जीवित महसूस कराने के लिए जरुरी है।

शरीर को रखेगा हाइड्रेट- गर्मी के महीनों में पसीने बहुत आते हैं, जिसकी वजह से शरीर डिहाइड्रेट हो जाता है। इसलिए गर्म दिनों के दौरान हाइड्रेट रहना जरुरी है। इसके लिए खीरे का सेवन किया जा सकता है। खीरे में 95% पानी होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

वजन कंट्रोल करने में करेगा मदद- खीरे में कैलोरी कम होती है, जो गर्मियों के दौरान अपना वजन नियंत्रित करने की चाहत रखने वालों के लिए एक आदर्श नाश्ता है। इसमें मौजूद उच्च पानी और फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखने में मदद करते हैं। खीरे को भोजन के साथ सलाद में शामिल करें और गर्मियों के दिनों में ठंडे तरीके से अपना वजन नियंत्रित कर सकते हैं।

हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद- खीरा विटामिन और खनिजों का एक समृद्ध स्रोत है। इसमें विटामिन के, विटामिन सी, पोटेशियम और मैग्नीशियम मौजूद होते हैं। ये पोषक तत्व विभिन्न शारीरिक कार्यों जैसे प्रतिरक्षा कार्य, हड्डियों के स्वास्थ्य और मांसपेशियों के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए गर्मियों की डाइट में खीरे को जरूर शामिल करें।

इसे भी पढ़ें: Plums Health Benefits ।

हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने से लेकर त्वचा को चमकदार बनाने तक, सेहत को कई लाभ प्रदान करते हैं आलूबुखारे

पुरानी बीमारियों के जोखिम को करें कम- खीरा विटामिन सी से भरपूर होता है, जो एक एंटीऑक्सीडेंट है। ये कोशिकाओं को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है। इसी के साथ ये संपूर्ण स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है और पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करता है।

त्वचा के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद- खीरे में मौजूद सिलिका कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देती है। ये त्वचा की लोच बनाए रखकर स्वस्थ त्वचा में योगदान करती है। इसके अलावा ये गर्मियों के दिनों में सूर्य के संपर्क में आने से होने वाली स्किन प्रॉब्लम्स और प्रदूषण के प्रभावों से निपटने में मदद करते हैं। इसकी वजह से आपकी त्वचा पूरे गर्मी के महीनों में चमकदार और युवा दिखेगी।

# दिल्ली-हरियाणा वाले वाहन चालकों को 70 दिन बाद बड़ी राहत, सिंघु फ्लाईओवर की खुली तीन लेन

परिवहन विशेष न्यूज

किसानों के दिल्ली कूच के एलान के बाद सिंघु सीमा पर बीते 12 फरवरी से बंद फ्लाईओवर (मेन कैरिज-वे) को 70 दिन बाद शनिवार की देर रात वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया। रविवार देर शाम तक दिल्ली से हरियाणा के लिए दो लेन व हरियाणा से दिल्ली के लिए केवल एक ही लेन ही खोली गई है।

**बाहरी दिल्ली।** किसानों के दिल्ली कूच के एलान के बाद सिंघु सीमा पर बीते 12 फरवरी से बंद फ्लाईओवर (मेन कैरिज-वे) को 70 दिन बाद शनिवार की देर रात वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया। रविवार देर शाम तक दिल्ली से हरियाणा के लिए दो लेन व हरियाणा से दिल्ली के लिए केवल एक ही लेन ही खोली गई है।

दिल्ली से हरियाणा की ओर जाने वाले वाहन आसानी से निकल रहे हैं, जबकि हरियाणा से दिल्ली आने वाले वाहनों की रफ्तार सिंघु सीमा पर थम रही है। यहां से रेंगते हुए वाहन दिल्ली की सीमा में दाखिल हो रहे हैं।

**बाकी बंद पड़ी लेन को खोलने का काम जारी**

यहां से रोजाना गुजरने वाले लोगों का कहना है कि बाकी की बंद पड़ी लेन भी खुलने से सिंघु सीमा पर यातायात व्यवस्था और सुगम हो जाएगी।

यहां मुख्य मार्ग (फ्लाईओवर) को खोलने का काम बीते बुधवार से शुरू है। लेकिन यहां हाई-वे पर जर्सी बैरियर के बीच कंक्रीट व सीमेंट डालकर, एक मजबूत दीवार बना दी गई गई थी। जिसे तोड़ने में कई मशीनें तक फेल हो गईं।

**क्या कह रहे अधिकारी**

कई मशीने बदली जा चुकी हैं, यही कारण है कि तीन दिन बाद भी केवल तीन ही लेन खोली जा सकी हैं। बाहरी-उत्तरी जिला के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभी हम सिंघु स्थित फ्लाईओवर पर केवल दोनों तरफ से दो-दो लेन ही खोल रहे हैं।

**एक लेन और जल्दी खुलेगी**

रविवार तक तीन लेन खोली जा चुकी है। वहीं, हरियाणा से दिल्ली की ओर आने वाली एक और लेन जल्द ही खुल जाएगी। फ्लाईओवर के ऊपर से काफी हद तक अवरोधक हटा लिए गए हैं। मुख्य मार्ग खुलने से सिंघु सीमा स्थित सर्विस रोड पर लगने वाले जाम से भी राहत मिली है। खासकर दिल्ली से हरियाणा की ओर जाने वाली सर्विस रोड पर।

**पेट्रोल पंप मालिकों में भी खुशी की लहर**

मुख्य कैरिज वे खुलने से सीमा के दोनों तरफ

आधा दर्जन से अधिक पेट्रोल पंप मालिकों समेत दुकानदारों में खुशी का माहौल है। एक पेट्रोल पंप मालिक ने बताया कि 70 दिन बाद इस सीमा से बड़े वाहनों की आवाजाही होने से कारोबार में तेजी की उम्मीद है।

इससे पहले सर्विस रोड खुलने से छोटे वाहन चालक पेट्रोल व डीजल के आने तो लग गए थे, लेकिन अब बड़े मालवाहक वाहनों के आने से कारोबार में तेजी आएगी। वहीं, हाई-वे के साथ दोनों तरफ दुकानदारों में खुशी की लहर है, इनका कहना है कि मुख्य मार्ग खुलने से उनके दुकानों पर अब ग्राहकों की संख्या में तेजी आएगी। होटल व ढाबे वालों ने भी अब अपने यहां कर्मचारी बढ़ाने शुरू कर दिए हैं।

**कारोबारियों का संघर्ष लाया रंग**

कुंडली इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के सुभाष गुप्ता ने बताया कि फरवरी में किसानों के दिल्ली कूच के एलान के बाद 13 फरवरी को बार्डर बंद किया गया था। आंदोलन स्थगित होने के बाद 29 फरवरी को सर्विस लेन खोली गई थी। सर्विस लेन खोलने के बाद मामूली राहत मिली थी, लेकिन इसका ज्यादा लाभ नहीं मिल पाया। क्योंकि जाम के कारण मुसीबत और बढ़ गई।

हाईवे के मेन कैरिज वे को खोलने के लिए एसोसिएशन की तरफ से दिल्ली पुलिस के अधिकारियों से मुलाकात भी गई थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद गृहमंत्री समेत बड़े अफसरों से भी मांग की थी। साथ ही, आनलाइन पिटिशन बनाकर मुहिम चलाई थी। इस पर दो हजार से ज्यादा उद्यमियों और आम लोगों ने समर्थन में हस्ताक्षर किए। कारोबारियों का संघर्ष रंग लाया और अब वाहन चालकों को जाम से निजात मिल सकेगी।

---

काम के सिलसिले में रोहिणी से आए दिन सोनीपत जाना होता है। मुख्य मार्ग बंद होने से सीमा से सटी गलियों व सर्विस रोड से जाम में फंसते हुए जाना पड़ता है। अब मुख्य मार्ग खुलने से बड़ी राहत मिली है।

*-राजपाल बिष्ट*

---

पानीपत से आए दिन काम के सिलसिले में दिल्ली आना पड़ता है। मुख्य मार्ग बंद होने काफी परेशान रहते थे। अब मुख्य मार्ग खुलने से आना-जाना अब आसान होगा। बिना जाम में फंसे यहां से निकल सकेंगे।

*-कपिल*

---

सिंघु सीमा पर ही बिल्डिंग मटिरियल की दुकान है। यहां से सामान लेकर सीमा के दोनों तरफ आना-जाना लगा रहता था। काफी जाम में फंसना पड़ता था। अब मुख्य मार्ग खुलने से काफी हद तक राहत मिली है।

*-पप्पू*

# दिल्ली के लिए राहत की खबर, राजधानी की सड़कों पर ओवर स्पीडिंग के मामले में आई 15 प्रतिशत की कमी

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली यातायात पुलिस के अभियानों के साथ ही ओएसवीडी कैमरों के चलते लोगों के यातायात के प्रति सतर्क होने को माना जा रहा है। इस वर्ष 15 अप्रैल तक ओवर स्पीडिंग के 816372 चालान किए गए हैं। जबकि पिछले वर्ष 15 अप्रैल 2023 में इस अवधि में ओवर स्पीडिंग के 952367 चालान किए गए थे। इस वर्ष पिछले साल की तुलना में 135995 चालान कम हुए है।

**नईदिल्ली।** दिल्ली की सड़कों पर ओवर स्पीडिंग के मामलों में एक साल में लगभग 15 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दिल्ली यातायात पुलिस के आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष पिछले वर्ष के मुकाबले एक लाख से ज्यादा कम चालान हुए हैं।

ओवर स्पीडिंग पर इस अंकुश के लिए लगातार चलाए जा रहे दिल्ली यातायात पुलिस के अभियानों के साथ ही ओएसवीडी कैमरों के चलते लोगों के यातायात के प्रति सतर्क होने को माना जा रहा है।

इस वर्ष 15 अप्रैल तक ओवर स्पीडिंग के 816372 चालान किए गए हैं। जबकि पिछले वर्ष 15 अप्रैल 2023 में इस अवधि में ओवर स्पीडिंग के 952367 चालान किए गए थे। इस तरह से इस वर्ष पिछले साल की तुलना में 135995 चालान कम हुए है।

**ओएसवीडी कैमरों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई**

इसमें दिल्ली पुलिस द्वारा चौराहों पर लगाए गए ओएसवीडी कैमरों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ओएसवीडी कैमरें लगाए जाने के बाद यात्रियों के लिए सुरक्षित सड़क की स्थिति को बढ़ावा मिला है। ओएसवीडी कैमरों की उपस्थिति वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने को बढावा देती है। ओएसवीडी कैमरे ओवर-स्पीडिंग को सटीक रूप से पकड़ते हैं। जिससे नियम का उल्लंघन

करने वाले विरुद्ध त्वरित और सटीक कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। ऐसे में वाहन चालक कैमरों की उपस्थित में अब पहले से ज्यादा ओवर स्पीडिंग का ध्यान रखने लगे हैं।

# 'अवैध अंग प्रत्यारोपण हो, तो रद्द करें अस्पताल का लाइसेंस', सरकार का सभी राज्यों को निर्देश

**नईदिल्ली।** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे अवैध रूप से देश में चल रहे अंग प्रत्यारोपण (Organ Transplant) के मामलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि जो भी अस्पताल अवैध रूप से अंग प्रत्यारोपण या अंग प्रत्यारोपण के लिए बने कानून का उल्लंघन करता पाया जाए, उसके लाइसेंस को रद्द किया जाए।

**स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को लिखा पत्र**

भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं के डायरेक्टर जनरल डॉ. अतुल गोयल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस संबंध में पत्र लिखा है। इस पत्र में डॉ. गोयल ने कहा है कि सभी अंग प्रत्यारोपण के सभी आंकड़े मासिक आधार पर राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन के साथ साझा किए जाने चाहिए। इनमें देश के नागरिकों के साथ ही विदेशी नागरिकों के आंकड़े भी होने चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय का यह आदेश हरियाणा और राजस्थान में हुए अवैध अंग प्रत्यारोपण के रैकेट के खुलासे के बाद सामने आया है। जिसमें बांग्लादेश के लोग भी शामिल थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने पत्र में लिखा कि 'देश में विदेशी नागरिकों को होने वाले अंग प्रत्यारोपण के दर्ज मामलों में उछाल देखा गया है। ऐसे में इन मामलों की भी समीक्षा की जानी चाहिए। मानव अंग प्रत्यारोपण एवं ऊतक कानून (Transplantation of Human Organs and Tissues Act (THOTA)),1994 कानून के तहत राज्य द्वारा नियुक्त टीम को अपने-अपने राज्यों में विदेशी नागरिकों को हुए अंग प्रत्यारोपण के मामलों की जांच की जानी चाहिए है।' पत्र में डॉ. गोयल ने ये भी लिखा कि 'कानून का उल्लंघन हो तो सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और अवैध अंग प्रत्यारोपण में शामिल अस्पताल का रजिस्ट्रेशन रद्द करने जैसी कार्रवाई की जानी चाहिए।' सरकार ने अंग दान देने वाले व्यक्ति और अंग दान लेने वाले व्यक्ति दोनों की आईडी बनाना अनिवार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही ऐसी व्यवस्था बनाने को कहा है, जिसमें सरकारी अधिकारी समय-समय पर अंग प्रत्यारोपण के मामलों की जांच और समीक्षा करते रहें।

# अंगविहीन व्यक्तियों के लिए खुशखबरी, सम्भव हुआ कामयाब नया अंग लगना

परिवहन विशेष न्यूज

दुनिया में कुछ काम ऐसे होते हैं, जिसमें भगवान की कृपा के साथ-साथ डॉक्टरों का प्रयास भी महत्वपूर्ण होता है. इसके बाद ही कामयाबी मिलती है. तकरीबन दो महीने पहले दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल के प्लास्टिक और कॉस्मेटिक सर्जरी डिपार्टमेंट ने एक ऐसा ही कारनाम किया था, जो डॉक्टरी पेशे में अमूमन बहुत कम ही देखने को मिलता है.

एक शख्स के दोनों कटे हाथों में एक मर चुकी महिला का हाथ लगा दिया. कुदरत का करिश्मा देखिए कि कुछ दिन पहले ही उस मरीज को अस्पताल से छुट्टी मिली है. डॉक्टरों की मानें तो वह शख्स रोजमर्रा का काम करना शुरू कर दिया है. 6 महीने के बाद वह शख्स भारी से भारी सामान भी उठा सकता है.

**आदमी में लगा दिया मृतक महिला का हाथ**

आपको बता दें कि सर गंगा राम अस्पताल के प्लास्टिक और कॉस्मेटिक सर्जरी डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ महेश मंगल और डॉ निखिल झुनझुनवाला सहित 7 डॉक्टरों की टीम ने लगभग तीन साल पहले एक दुर्घटना में दोनों हाथ गवां चुके एक शख्स का महिला का हाथ लगा कर तहलका मचा दिया. आपने यह पहली बार सुना होगा कि किसी आदमी में महिला का हाथ लगा वह भी मर चुकी महिला का हाथ.

**भारत में भी होने लगे हैं इस तरह के चमत्कार**

सबसे आश्चर्य की बात यह है कि डॉक्टरों ने 65 साल की एक ब्रेन डेड महिला का हाथ एक 45 साल के पुरुष को ट्रांसप्लांट कर लगा दिया. वह शख्स अब खुद ही अपने हाथों से खाना खा सकता है और आम आदमी की तरह अन्य काम भी कर रहा है. मेडिकल साइंस सच में चमत्कारों की दुनिया है. मौत के मुंह में जाते लोगों को नया जीवन मिल रहा है, अंग विहीन लोगों को भी अब नए अंग मिल रहे हैं. खासकर दूसरे शख्स का अंग किसी दूसरे व्यक्ति को लगाया जा रहा है. नई दिल्ली के गंगा राम हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने एक 45 साल के शख्स को नया जीवन दिया है. एक ब्रेन डेड महिला ने इस शख्स के हाथों में नई जान फूंक दी है.

**तीन साल पहले 45 वर्षीय इस युवक की ट्रेन दुर्घटना में कट गए थे दोनों हाथ**

तीन साल पहले 45 वर्षीय इस युवक की ट्रेन दुर्घटना में दोनों हाथ कट गए थे. गंगाराम हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने ब्रेन डेड महिला के दोनों हाथ काटकर उस युवक को लगा दिए और हाथों का यह प्रत्यारोपण पूरी तरह से सफल रहा है. ब्रेन हेमरेज की शिकार महिला के अंगदान से यह संभव हो पाया है. महिला ने लीवर, किडनी और आंख भी दान कर दिया. 12 घंटे की लंबी सर्जरी के बाद डॉक्टरों ने युवक के दोनों हाथ लगाने में कामयाब पाई.

**ऐसे काम कर रहा है शख्स**

ब्रेन डेड महिला दिल्ली की कालका जी में रिटायर वाइस प्रींसिपल थी. इस महिला की एक किडनी फोर्टिस गुड़गांव भेजी गई, जहां एक मरीज को वह किडनी लगाई गई है. इसके अलावा महिला के दोनों हाथ, लीवर और कॉर्निया सर गंगाराम अस्पताल अलग-अलग मरीजों को ट्रांसप्लांट की गई हैं. दोनों हाथों का प्रत्यारोपण उत्तर भारत में पहला ऐसा प्रत्यारोपण है. इससे पहले मुंबई में इस तरह का प्रत्यारोपण हो चुका है.

**इस सर्जरी को अंजाम देने वाले डॉक्टर्स की टीम को डॉ. महेश मंगल लीड कर रहे थे.**

इस सर्जरी को करने वाले डॉ महेश मंगल देश के जाने-माने प्लास्टिक और कॉस्मेटिक सर्जन हैं. डॉ मंगल अभी गंगा राम अस्पताल के प्लास्टिक और कॉस्मेटिक सर्जरी विभाग के चेयरमैन सह एचओडी हैं. डॉ मंगल बातचीत में कहते हैं, 'इस ट्रांसप्लांट में मरीज से अस्पताल ने किसी भी तरह का चार्ज नहीं लिया है. लेकिन, भारत में हाथों के ट्रांसप्लांट कराने में अमूमन 25 से 30 लाख रुपये खर्च आता है. आने वाले समय में जैसे-जैसे इसके बारे में लोगों को पता चलेगा, उन लोगों के अच्छा होगा जिनका किसी न किसी कारण से हाथ कट गया है और उनको कहीं न कहीं परेशानी हो रही है.

# गर्मी छुट्टी से पहले रेलवे की तैयारी: स्पेशल ट्रेन चलाकर यात्रियों की राह आसान करने की कोशिश, पूरा प्लान तैयार

उत्तर रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए विशेष ट्रेनें चला रहा है। स्टेशन अधीक्षक की सलाह पर अघोषित ट्रेन भी चलाने की योजना तैयार की गई है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि ग्रीष्म ऋतु के दौरान आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के जुलाई महीने तक विशेष ट्रेनों की 542 फेरे ट्रेन लगाएंगी।

गर्मी के मौसम में ट्रेनों में भीड़ बढ़ गई है। लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रियों को आरक्षित बर्थ तक नहीं मिल रहा है। वहीं अनारक्षित ट्रेन और अनारक्षित कोच ठसाठस भरी हुई चल रही है। ऐसा लग रहा है कि जैसे अभी से ही गर्मी की छुट्टी हो गई हो और लोग सैर-सपाटे के लिए निकल रहे हैं। पूर्वांचल दिशा की तरफ जाने वाले मुसाफिरों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इस दिशा में चलने वाली किसी भी नियमित ट्रेनों में आरक्षित बर्थ खाली नहीं है। इसे ही ध्यान में रख रेलवे ने समर रश को देखते हुए अभी से ही कमर कसनी शुरू कर दी है।

उत्तर रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए विशेष ट्रेनें चला रहा है। स्टेशन अधीक्षक की सलाह पर अघोषित ट्रेन भी चलाने की योजना तैयार की गई है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि ग्रीष्म ऋतु के दौरान आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के जुलाई महीने तक विशेष ट्रेनों की 542 फेरे ट्रेन लगाएंगी। इनमें दिल्ली के मुख्य स्टेशनों से पटना, दानापुर, मुजफ्फरपुर, जोगबनी, सहरसा, जयनगर, दरभंगा, गोरखपुर, रक्सौल, वाराणसी, गया, वैष्णो देवी कटरा के लिए ट्रेन चलेगी। इसी तरह मुरादाबाद रेल मंडल से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य भारत के लिए 51 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें चलाई जा रही है। देहरादून, हरिद्वार, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, रोजा और हापुड़ स्टेशनों पर यात्रियों की उमड़ती भीड़ की हर घंटे निगरानी की जा रही है।

**भीड़ प्रबंधन पर जोर**

अनारक्षित कोचों में यात्रियों के व्यवस्थित प्रवेश के लिए आरपीएफ की टीम तैनात की गई है। स्टेशनों पर ट्रेन पहुंचने के पहले कतार में यात्रियों को खड़ा किया जा रहा है। इस तरह से भीड़ को नियंत्रित करने के उपाय सुनिश्चित किया गया है। महत्वपूर्ण स्टेशनों पर मे आइ हेल्प यू का बूथ लगाया गया है। ताकि यात्रियों की सहायता और मार्गदर्शन हो सके। इस डेस्क पर टीटीई को तैनात किया गया है अंतिम समय में ट्रेन को निर्धारित प्लेटफार्म की जगह दूसरे प्लेटफार्म में कोई बदलाव नहीं हो इसका विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भीड़ वाले समय में अधिकारियों को पुरानी दिल्ली, नई दिल्ली और आनंद विहार टर्मिनल स्टेशनों पर प्रतिनियुक्त किया गया है।

**स्टेशन परिसर में यात्रियों की सुविधा का इंतजाम**

पूर्व प्रतीक्षा अवधि के दौरान स्टेशन परिसर में होल्डिंग एरिया तैयार किया गया है ताकि स्टेशन पर अधिक भीड़ नहीं बढ़े। अजमेरी गेट की तरफ 4500 वर्ग फीट और आनंद विहार टर्मिनल परिसर में 5184 वर्ग फीट का पंडाल लगाया गया है। लाइटिंग, एयर कूलर, पंखे, पानी के नल और मोबाइल शौचालय का भी इंतजाम किया गया है। फूड स्टॉल के साथ ही अनारक्षित टिकट काउंटर की संख्या बढ़ाई गई है। नई दिल्ली और आनंद विहार टर्मिनल स्टेशन पर 4-4 यूटीएस काउंटर की सुविधा है। पूछताछ काउंटर की संख्या भी बढ़ा दी गई है। आनंद विहार स्टेशन में 15 अतिरिक्त बुकिंग व पूछताछ काउंटर और नई दिल्ली में 20 अतिरिक्त बुकिंग व पूछताछ काउंटर खोलने की योजना है।

वाटर कूलर और वाटर बूथ में पीने का पानी उपलब्ध सुनिश्चित करने का निर्देश रेलवे ने दिया है। पानी के नलों की नियमित रूप से जांच की जा रही है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 35 वाटर कूलर और 33 वाटर बूथ पर लगाए गए। आनंद विहार स्टेशन पर 7 वाटर कूलर और 28 वाटर बूथ लगा है।

**सुरक्षा व्यवस्था**

स्टेशनों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था जिसमें डॉग स्क्वॉड की तैनाती, सभी प्रवेश द्वारों पर बैगेज स्कैनर, मेटल डिटेक्टर, हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर, सभी प्रवेश द्वारों पर मैनिंग, मेगा माइक की सुविधा है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में 20 अतिरिक्त रेल सुरक्षा बल कर्मचारी तैनात किए गए हैं। इसी तरह आनंद में 10 अतिरिक्त रेल सुरक्षा बल कर्मचारी तैनाती की गई है। रेल मदद एप और आवश्यकताओं की निगरानी नोडल नियंत्रण के के माध्यम से की जा रही है। सभी स्टेशनों पर एटीवीएम का पूर्ण रूप से कार्य करना सुनिश्चित किया जा रहा है। डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

# लाल किला के पास कैब चालक हत्याकांड में वांछित अपराधी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

लाल किला के पास कैब चालक हत्याकांड में वांछित अपराधी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार हो गया है। पुलिस ने आरोपित को घेर कर आत्मसमर्पण के लिए कहा तो उसने पुलिस पार्टी पर गोली चला दी। गोली पुलिस टीम में शामिल एसआई की बुलैट प्रूफ जैकेट में लगी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग और एक गोली आरोपित के बाएं पैर में जा लगी।

**नईदिल्ली।** उत्तरी दिल्ली के स्पेशल स्टाफ की टीम ने लाल किला के पास कैब चालक शाकिब की हत्या के मामले में फरार आरोपित लोनी, गाजियाबाद निवासी फिरोज उर्फ भूरा उर्फ बिल्लोरी को वजीराबाद इलाके में मुठभेड़ बाद गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने आरोपित को घेर कर आत्मसमर्पण के लिए कहा तो उसने पुलिस पार्टी पर गोली चला दी। गोली पुलिस टीम में शामिल एसआई की बुलैट प्रूफ जैकेट में लगी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग और एक गोली आरोपित के बाएं पैर में जा लगी। जिसके बाद आरोपित को काबू कर इलाज के लिए अरुणा आसिफ अली अस्पताल स्थानांतरित कर दिया गया।

**सिपाही शिवराज तोमर की हत्या में भी शामिल**

मुठभेड़ स्थल की फारेंसिक जांच कराई जा रही है। फिरोज ने ही शाकिब को गोली मारी थी। फिरोज आदतन अपराधी है और वारदात के दौरान गोली चलाने से बिल्कुल भी हिचकिचाता नहीं है। 2014 में जाफराबाद थाने में तैनात दिल्ली पुलिस के सिपाही शिवराज तोमर की हत्या में भी शामिल रहा है। इसके साथ ही 2014 में विवेक विहार में झपटमारी के प्रयास में महिला की हत्या में शामिल रहा है।

# 'भाजपा इस बार केंद्र में वापस नहीं आने वाली' , गाजियाबाद की रैली में केंद्र पर जमकर बरसीं BSP प्रमुख मायावती

परिवहन विशेष न्यूज

बीसपा प्रमुख मायावती ने गाजियाबाद रैली में कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में क्षत्रिय समाज के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं लेकिन दुख की बात है कि भाजपा व अन्य दल जो अपने आप को क्षत्रियों का हिमायती कहते हैं इस बार लोकसभा चुनाव में खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में क्षत्रिय समाज के लोगों को किसी भी पार्टी टिकट नहीं दिया।

**गाजियाबाद।** बसपा प्रमुख मयावती ने रविवार को गाजियाबाद में एक रैली को संबोधित किया। मायावती ने कहा, "जुमलेबाजी अब काम नहीं आने वाली है। जनता अच्छे दिन आने के सपनों की असलियत जान चुकी है। भाजपा इस बार केंद्र में वापस नहीं आने वाली है। यदि चुनाव में गड़बड़ी नहीं हुई। साफ-सुथरे ढंग से निष्पक्ष चुनाव हुआ तो भाजपा दोबारा आने वाली नहीं है। राशन से लोगों का भला होने वाला नहीं है, काम देने से ही जीवन स्तर में सुधार होगा।"

उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में क्षत्रिय समाज के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं, लेकिन दुख की बात है कि भाजपा व अन्य दल जो अपने आप को क्षत्रियों का हिमायती कहते हैं, इस बार लोकसभा चुनाव में खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में क्षत्रिय समाज के लोगों को किसी भी पार्टी टिकट नहीं दिया। भाजपा ने उनकी उपेक्षा की है, लेकिन बसपा एक ऐसी पार्टी है, जिसने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अन्य समाज के साथ क्षत्रिय समाज का भी आदर और सम्मान किया है।

**गुर्जर समाज से बागपत में टिकट दिया**

उन्होंने कहा कि टिकट बंटवारे में भी उन्हें उचित भागीदारी दी है। कई टिकट क्षत्रिय समाज को दिए हैं, गाजियाबाद इसका जीता जागता उदाहरण है। यहां समाज के नंदकिशोर पुंडीर को टिकट दिया गया है। पंजाबी समाज से जितेंद्र कालरा को लखीमपुर खीरी से टिकट दिया है। गुर्जर समाज से बागपत में टिकट दिया है।

मायावती ने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार ने पूर्व में केंद्र में सत्ता में रही कांग्रेस सरकार की तरह किसानों पर ध्यान नहीं दिया। भाजपा की जातिवादी, सांप्रदायिक और पूंजीवादी सोच और नीतियां किसानों का उत्थान नहीं कर पाई हैं। गरीब, आदिवासी, दलित, मुस्लिम और समाज के अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के स्तर को सुधारने और उनके कल्याण को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए। बेरोजगारों को रोजगार देने और शिक्षा नीति में सुधार को लेकर कोई काम नहीं हुआ। भाजपा ने कांग्रेस से भी आगे जाकर जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया है।

**सरकार की गलत कृषि नीतियों के चलते किसान आंदोलित**

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में चार बार बसपा सरकार रही और उन सरकारों ने किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम दिया, किसानों का भला किया। लेकिन मौजूदा सरकार की गलत कृषि नीतियों के चलते किसान आंदोलित रहता है। गलत आर्थिक नीतियों की वजह से देश का विकास रुक गया है। देश में फैला भ्रष्टाचार विकास में बड़ी बाधा है।

बसपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा समाज के सभी वर्गों की उपेक्षा कर रही है। आरक्षित श्रेणी के सरकारी नौकरियों में खाली पड़े पदों पर सरकार 10 साल बाद भी पर्याप्त संख्या में भर्ती नहीं कर पाई है। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट से पता चला है कि दलित और आदिवासी समाज की उपेक्षा की जा रही है।

**सरकार को केंद्र में आने से रोकना**

उन्होंने कहा कि विरोधी पार्टियां किस्म-किस्म के हथकंडे अपना रही हैं। हवाई घोषणा पत्रों के प्रलोभन में नहीं आना है। बसपा की चार सरकारों के काम की अन्य पार्टियां नकल कर रही हैं। केंद्र में आने पर उत्तर प्रदेश में रही बसपा सरकारों की तरह ठोस काम किया जाएगा। धर्म के आधार पर राजनीति कर रही पार्टियों को जनता इस बार सबक सिखाएगी। कथनी और करनी में अंतर रखने वाली सरकार को केंद्र में आने से रोकना है। इसके लिए भाजपा, कांग्रेस व अन्य को वोट न देकर बसपा को वोट करना है।

उन्होंने कहा कि बसपा की सरकार बनने पर सभी वर्गों का विकास किया जाएगा। सर्वजन के साथ आदिवासी, मुस्लिम, दलित एवं अन्य धार्मिक व अल्पसंख्यक लोगों के उत्थान के साथ-साथ जरूरी कदम उठाए जाएंगे। देश के महापुरुषों और महात्माओं का सम्मान जारी रहेगा।

## सीएम योगी आज छत्तीसगढ़ में करेंगे चुनाव प्रचार, गाजियाबाद में मायावती-पीयूष गोयल समेत कई दिग्गजों का जमावड़ा

परिवहन विशेष न्यूज

अठारहवीं लोकसभा के चुनाव में राजनीतिक दल अपने प्रत्याशियों के प्रचार के लिए रविवार को भी दमखम दिखाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को छत्तीसगढ़ में भाजपा का चुनाव प्रचार करेंगे। वह राजनांदगांव कोरबा और बिलासपुर में जनसभाओं को संबोधित कर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने के लिए जोर लगाएंगे।

**गाजियाबाद।** अठारहवीं लोकसभा के चुनाव में राजनीतिक दल अपने प्रत्याशियों के प्रचार के लिए रविवार को भी दमखम दिखाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को छत्तीसगढ़ में भाजपा का चुनाव प्रचार करेंगे। वह राजनांदगांव, कोरबा और बिलासपुर में जनसभाओं को संबोधित कर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने के लिए जोर लगाएंगे।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल गाजियाबाद में व्यापारी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। वहीं बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती अमरोहा और गाजियाबाद में चुनावी जनसभाएं कर पार्टी प्रत्याशियों के लिए जनसमर्थन जुटाएंगी।

**केशव प्रसाद मौर्य भी गाजियाबाद में करेंगे जनसभा**

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य गाजियाबाद में दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही हरदोई, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह व भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल कानपुर, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति व राज्य मंत्री सतीश शर्मा शाहजहांपुर, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी व भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय राय लखीमपुर तथा प्रदेश मंत्री शिव भूषण सिंह बहराइच में भाजपा के बूथ अध्यक्ष सम्मेलनों को संबोधित करेंगे।

माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी मेरठ में भाजपा के विभिन्न चुनावी कार्यक्रमों में शामिल होंगी। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. अरुण सक्सेना बरेली में चिकित्सकों की बैठक को संबोधित करेंगे। भाजपा सांसद मनोज तिवारी गाजियाबाद में जनसभा को संबोधित करेंगे।

## मतदाता पहचान पत्र बनवाने की फिराक में थे बांग्लादेशी गिरोह के सदस्य

महिला सहित पांच बांग्लादेशी आधार कार्ड बनने के बाद मतदाता पहचान पत्र बनवाने की फिराक में थे। मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए आरोपितों अपना नाम गांव के एक व्यक्ति को लिखवा दिया था। बुलंदशहर के सिकंदराबाद में आरोपितों ने पहचान पत्र बनवाने के लिए फार्म भरने के लिए कई बार कोशिश की। गिरफ्तार हुई बांग्लादेश की 32 वर्षीय महिला रुखसाना पड़ोसी महिलाओं से काफी घुल मिल गई थी।

**साहिबाबाद।** कौशांबी थाना क्षेत्र में ठगी के आरोप में पकड़े गए महिला सहित पांच बांग्लादेशी आधार कार्ड बनने के बाद मतदाता पहचान पत्र बनवाने की फिराक में थे। इसके लिए आरोपितों ने भोवापुर के कई स्थानीय लोगों से बात की थी।

बार-बार इसके लिए वह प्रयास कर रहे थे जिससे आने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान कर सकें। दैनिक जागरण टीम ने भोवापुर जाकर पड़ताल की तो यह बात सामने आई।

**पड़ोसियों से बातचीत करती थी महिला**

मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए आरोपितों अपना नाम गांव के एक व्यक्ति को लिखवा दिया था। बुलंदशहर के सिकंदराबाद में आरोपितों ने पहचान पत्र बनवाने के लिए फार्म भरने के लिए कई बार कोशिश की। गिरफ्तार हुए पांचों आरोपितों में ज्यादातर महिला ही पड़ोस के लोगों से बातचीत करती थी।

उसी ने स्थानीय लोगों की मदद से मतदाता पहचान पत्र बनवाने का प्रयास किया था। पुलिस इसकी जांच कर रही है इनका पहचान पत्र बना है या नहीं। इसके लिए प्रशासन से भी मदद ली जा रही है। यदि इनका नाम मतदाता सूची में आ गया है तो उसे रद्द कराया जाएगा।

हालांकि अभी तक पहचान पत्र बनने की पुष्टि नहीं हुई है। उनके इरादों से साफ है कि वह यहां के खुद को अवैध रूप से स्थायी नागरिक बनना चाहते थे। यहां की चुनाव प्रक्रिया में भाग लेना चाहते थे। वह लोकसभा चुनाव में मतदान करना की भी बात करते थे।

**पड़ोसियों से घुल-मिल गई थी महिला**

गिरफ्तार हुई बांग्लादेश की 32 वर्षीय महिला रुखसाना पड़ोसी महिलाओं से काफी घुल मिल गई थी। उनकी एक पड़ोस में रहने वाली महिला ने बताया कि रुखसाना ने कई बार उनसे रसोई में प्रयोग वाला सामान लिया था।

उन्हें कभी महसूस नहीं हुआ कि वह बांग्लादेश की है। वह इतना अच्छी हिंदी बोलती थी कि कोई उसे कोई पहचान नहीं सकता है। सभी आरोपित कमरे में रहते थे और महिला पड़ोस के लोगों से जान पहचान बनाती थी।

**गिरफ्तारी के वक्त घर नहीं था मकान मालिक**

जिस वक्त पांचों आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है उस समय मकान मालिक डूंगर पंडित घर नहीं था। डूंगर पंडित ने बताया कि वह वैष्णो देवी गए हुए थे। उन्हें पुलिस ने फोन कर आरोपितों के बारे में बताया था।

एक राज मिस्त्री के कहने पर पांचों आरोपितों को उन्होंने किराये पर कमरा दिया था। आरोपितों को चार हजार रुपये प्रतिमाह कमरा लिया था। तीन माह में महज 2200 रुपये किराये के दिए थे।

**यह था मामला**

कौशांबी पुलिस ने बृहस्पतिवार को भोवापुर गांव से बांग्लादेश के 32 वर्षीय साबिर उर्फ शब्बीर, 20 वर्षीय अब्दुल रहीम, 27 वर्षीय अमन, 31 वर्षीय नवीन शेख और 32 वर्षीय रुखसाना को गिरफ्तार किया था। आरोपित भोवापुर गांव में किराये का कमरा लेकर रह रहे थे।

आरोपित कागज की गड्डी बनाकर उसके दोनों ओर नोट लगा देते थे। इसके बाद डालर की गड्डी बताकर उसे सस्ते रुपये से बेच देते हैं। इनके पास फर्जी आधार कार्ड, 40 हजार रुपये के डालर, फर्जी आधार कार्ड, तीन पैन कार्ड, 17 सिम और 15 मोबाइल बरामद हुए थे। पुलिस सभी आरोपितों को जेल भेज चुकी है।

## समर वेकेशन में फैमिली के साथ जाएं नॉर्थ ईस्ट इंडिया के इन सुंदर और खास जगहों पर, आएगा खूब मजा

दिव्यांशी भदौरिया

अगर आप गर्मियों में कहीं घूमने जाने की सोच रहें तो आप अपने परिवार या दोस्तों के साथ नॉर्थ इंडिया घूमने का प्लान बना सकते हैं, असम से लेकर अरुणाचल प्रदेश और मेघालय से लेकर त्रिपुरा की इन खास जगहों पर आप घूमने जा सकते हैं। यहां आप अपने परिवार के साथ गर्मियों की छुट्टियों का आनंद ले सकते हैं।

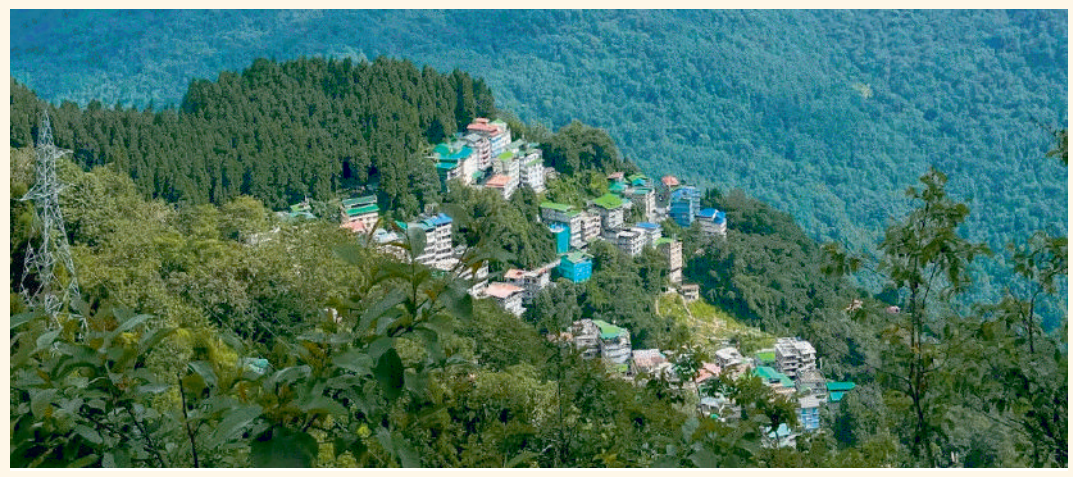

समर वेकेशन पर हम सभी घूमने जाते हैं, चिलचिलाती गर्मियों में कहीं जाने की बात होती है। तो कई लोग सबसे पहले हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर या लेह लद्दाख जाते हैं। यह बिलकुल सच है कि गर्मियों के लिए ये जगहें बेहतरीन है, लेकिन कई लोगों को पता ही नहीं है नॉर्थ ईस्ट इंडिया में बेहद प्यारी जगहें है घूमने के लिए। नॉर्थ ईस्ट इंडिया देश का एक हिस्सा है, जहां की सुंदरता और ठंडी हवाएं लाखों पर्यटको को मोहित कर सकती हैं। यहां आप अपने परिवार के साथ गर्मियों की छुट्टियों का आनंद ले सकते हैं।

**पेलिंग**

समर सीजन में नॉर्थ ईस्ट इंडिया में घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले पेलिंग का नाम जरुर शामिल रहता है। सिक्किम की हसीन वादियों में मौजूद यह शहर शानदार खूबसूरती के साथ ही यहां कि ठंडी हवाओं के लिए काफी फेमस है, यह एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। पेलिंग में आप कंचनजंगा वॉटरफॉल, पेमा यांग्त्से मठ, सिंगशोर ब्रिज और कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटीज का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

**शिलांग**

शिलांग नॉर्थ ईस्ट इंडिया सबसे खूबसूरत और लोकप्रिय जगहों में से एक है। इसकी खूबसूरती के कारण इसे उत्तर पूर्व का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। यहां पर कई झीलें मौजूद हैं जिस वजह से इसे झीलों की नगरी के नाम से भी जाना जाता है। शिलांग की खूबसूरती और मौसम सैलानियों को खूब आकर्षित करते हैं। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घने जंगल और झील-झरने शिलांग की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। यहां आप शिलांग पीक, लेडी हैदरी पार्क, कैलांग रॉक, वार्डस झील और मीठा झरना जैसी जगहों को परिवार के साथ घूम सकते हैं।

**तवांग**

तवांग अरुणाचल प्रदेश में स्थित है, जहां लगभग हर भारतीय घूमना चाहेगा। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घने जंगल एयर झील-झरनों के बीच में मौजूद यह शहर किसी स्वर्ग से कम नहीं है। मई, जून और जुलाई की तपती गर्मी में भी यहां का मौसम एकदम सुहावना रहता है। यहां एशिया का सबसे बड़ा बौद्ध मठ भी है। इसके साथ ही आप यहां युद्ध स्मारक, गोरिचेन पीक, पीटी त्सो झील, जसवंत गढ़ और ताकत्संग जैसी सुंदर जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

**गंगटोक**

गर्मी, सर्दी या बरसात हो, यहां हर मौसम में गंगटोक घूमने का एक अलग ही मजा होता है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घने जंगल, क्रिस्टल सी बहती नदियां और झील-झरने गंगटोक की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। यह जगह टॉप हनीमून डेस्टिनेशन के रुप में भी फेमस है। यहां आप खूबसरत नजारे के साथ-साथ एडवेंचर एक्टिविटीज भी कर सकते हैं। गंगटोक में आप ट्रेकिंग के अलावा हाईकिंग भी कर सकते हैं। यहां पर भारत-चीन सीमा, ताशी व्यू पॉइंट, हनुमान टोक और हिमालयन जूलॉजिकल पार्क जैसी बेहद खास जगहों पर जा सकते हैं।

## जम्मू कश्मीर की ये खास जगहें जो आपको दीवाना बना देगी, जल्द से जल्द प्लान बनाएं

दिव्यांशी भदौरिया

चिलचिलाती गर्मी से राहत पाने के लिए अगर आप कहीं बाहर जाने का प्लान बना रहे हैं तो यह लेख आपके लिए है। जम्मू कश्मीर देश का ऐसा प्रान्त है जिसे धरती का स्वर्ग कहा जाता है। कश्मीर की खूबसूरती को देख के आपका मन भी इस जगह से प्यार करने लगेगा। यहां पर हजारों देशी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। हिमालय और पीर पंजाल पर्वतों के बीच में मौजूद लगभग हर किसी का सपना होता है। जम्मू और कश्मीर की खूबसूरती के चलते इसे अक्सर भारत का स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। चलिए आपको जम्मू और कश्मीर की सुंदर जगहों के बारे में बताते हैं।

**चतपाल**

जम्मू- कश्मीर में स्थित सबसे मनमोहक और खूबसूरत ऑफबीट डेस्टिनेशन का जिक्र होता है, तो चतपाल का नाम जरुर लिया जाता है। हिमालय की हसीन वादियों में मौजूद यह हिल स्टेशन खुदरत का खजाना माना जाता है। चतपाल के बारे में बहुत कम पर्यटक ही जानते हैं। इसलिए, यहां बहुत कम भीड़ रहती है। बर्फ से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और ठंडी हवाएं और खूबसूरत नजारा देखने के लिए बहुत ही बढ़िया जगह है। दरअसल, चतपाल श्रीनगर से करीब 3 घंटे की दूरी पर है।

**लोलाब वैली**

जम्मू-कश्मीर में खूबसूरत और मनमोहक वैली मौजूद हैं, लेकिन किसी टॉप ऑफबीट बैली की बात करें, तो लोलाब वैली का जिक्र जरुर होता है। इस घाटी की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि इसे लैंड ऑफ लव भी कहा जाता है। यहां आप एडवेंचर एक्टिविटीज का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

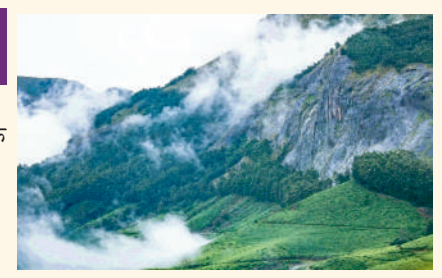

**युसमार्ग**

समुद्र तल से करीब 7 हजार से भी अधिक फीट की ऊंचाई पर मौजूद यह जगह टॉप ऑफबीट डेस्टिनेशन में एक माना जाता है। कहा जाता है इस स्थान पर एक बार यीशु रहे थे। यहां पर हमेशा शांत वातावरण रहता है। जिन लोगों को जीवन में शांति चाहिए, वे लोग इस जगह पर घूमने जा सकते हैं। बर्फ से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घास के मैदान और झील-झरने युसमर्ग प्राकृतिक खूबसूरती का लुत्फ उठा सकते हैं।

## चार साल की बच्ची को अगवा कर पत्थर से कुचलकर निर्मम हत्या, दुकान से सामान खरीदने गई थी; छानबीन में जुटी पुलिस

खिमावती गांव में चार वर्षीय बच्ची की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। सूचना पर डीसीपी ग्रामीण समेत पुलिस के आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। गुस्साए स्वजन व ग्रामीणों ने आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा किया। पुलिस ने घटना का पर्दाफाश करने का आश्वासन देकर शांत किया। स्वजन की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है।

**मुरादनगर।** थाना क्षेत्र के खिमावती गांव में शुक्रवार देर शाम अपहरण के बाद चार वर्षीय बच्ची की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। बच्ची का शव घर से 100 मीटर दूर सड़क किनारे कपड़े से लिपटा मिला। वह शाम को पड़ोस में दुकान से सामान लेने गई थी। घटना को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया है।

सूचना पर डीसीपी ग्रामीण समेत पुलिस के आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। गुस्साए स्वजन व ग्रामीणों ने आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा किया। पुलिस ने घटना का पर्दाफाश करने का आश्वासन देकर शांत किया। स्वजन की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस की चार टीमें घटना के पर्दाफाश के लिए लगाई गई हैं।

बच्ची नर्सरी कक्षा की छात्रा थी

थाना क्षेत्र के खिमावती गांव में व्यक्ति एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। पत्नी व चार वर्षीय बच्ची के रहते हैं। बच्ची नर्सरी कक्षा की छात्रा थी। वह शुक्रवार शाम को पड़ोस में दुकान से सामान लेने के लिए गई थी, लेकिन काफी देर भी घर नहीं लौटी। बच्ची के गायब होने पर स्वजन व आसपास के लोग तलाश में जुटे।

रात करीब नौ बजे बच्ची का शव घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर सड़क किनारे एक खंडहर में मिला। बच्ची के सिर को पत्थर से बुरी तरह से कुचला गया था। शव कपड़े में लिपटा था। हाथ व पैर पर भी चोटे के निशान मिले। शव मिलने की सूचना थोड़ी ही देर में पूरे गांव में फैल गई। थोड़ी ही देर में बच्ची के स्वजन समेत आसपास के बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए।

**आसपास के लोगों ने भी हंगामा शुरू कर दिया**

सूचना पुलिस को मिली अधिकारियों की बेचैनी बढ़ गई। आनन-फानन में डीसीपी ग्रामीण विवेक चंद यादव, एसीपी मसूरी नरेश कुमार भारी पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन में जुटे। बच्ची की हत्या से गुस्साए स्वजन व आसपास के लोगों ने भी हंगामा शुरू कर दिया। आरोपित की गिरफ्तारी होने पर ही बच्ची का शव पोस्टमार्टम को भेजने की मांग पर अड़े रहे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

किसी तरह पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझा कर शांत किया और शव पोस्टमार्टम को भेजा। एसीपी मसूरी नरेश कुमार ने बताया कि शव के सिर पर गहरी चोट का निशान मिला है। प्राथमिक जांच में दुष्कर्म जैसी बात सामने नहीं आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। उसी से मौत का सही कारण पता चलेगा। फिलहाल टीमें काम में लगी हैं। जल्द घटना का पर्दाफाश होगा।

# कॉम्पैक्ट SUV सेगमेंट में होगा धमाल, इस साल लॉन च होंगी ये चार बेहतरीन गाड़ियां

भारतीय बाजार में बजट एसयूवी सेगमेंट को काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। कई कंपनियों की ओर से Compact SUV सेगमेंट में कई बेहतरीन विकल्प ऑफर किए जाते हैं। लेकिन इस साल कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में चार नए विकल्प लॉन्च किए जाएंगे। किस कंपनी की ओर से किस एसयूवी को इस सेगमेंट में लाने की तैयारी की जा रही है।

**नई दिल्ली।** भारत में Compact SUV सेगमेंट में सबसे ज्यादा विकल्प दिए जाते हैं। इसी सेगमेंट के वाहनों को देश में काफी ज्यादा पसंद भी किया जाता है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं साल 2024 में कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में किस कंपनी की ओर से किस एसयूवी को लॉन्च किया जा सकता है।

### Mahindra XUV 3XO

महिंद्रा की ओर से कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में XUV 3XO को लॉन्च किया जाएगा। इस एसयूवी को 29 अप्रैल 2024 को भारतीय बाजार में लाया जाएगा। कंपनी की ओर से हाल में ही इसके तीन टीजर जारी किए गए हैं। जिनमें एसयूवी के कई फीचर्स की जानकारी दी गई है। महिंद्रा की ओर से XUV 3XO को XUV 300 के फेसलिफ्ट वेरिएंट के तौर पर लाया जा रहा है। फिलहाल कंपनी इसके आईसीई वेरिएंट को लॉन्च करेगी, लेकिन कुछ समय बाद इसके इलेक्ट्रिक वेरिएंट को भी भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाएगा।

हुंडई की ओर से भी Compact SUV सेगमेंट में वेन्यू को ऑफर किया जाता है। लंबे समय से यह एसयूवी भी भारतीयों की पसंद रही है। लेकिन इस साल इस एसयूवी का भी फेसलिफ्ट वेरिएंट भारत में लॉन्च किया जा सकता है। जिसमें डिजाइन से लेकर फीचर्स तक में बदलाव किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एसयूवी के फेसलिफ्ट वेरिएंट को साल के आखिर या अगले साल की शुरूआत में लॉन्च किया जा सकता है।

### Tata Nexon CNG

टाटा की ओर से इस सेगमेंट में नेक्सन एसयूवी को ऑफर किया जाता है। मौजूदा समय में कंपनी इस एसयूवी को पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक वर्जन में पेश करती है। लेकिन जल्द ही इसका सीएनजी वर्जन भी भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाएगा। कंपनी ने इसके सीएनजी वर्जन को फरवरी 2024 में हुए भारत मोबिलिटी में शोकेस किया था। जिसके बाद से उम्मीद की जा रही है कि इसे जल्द ही भारतीय बाजार में लाया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक कंपनी की ओर से नेक्सन सीएनजी को सितंबर से पहले पेश किया जा सकता है।

### Kia Clavis

साउथ कोरियाई कार निर्माता किआ की ओर से भी भारतीय बाजार में इस साल कॉम्पैक्ट एसयूवी के तौर पर क्लाविस को लाने की तैयारी की जा रही है। लॉन्च से पहले कंपनी इसकी टेस्टिंग कर रही है। जिस दौरान इसे कई बार सड़कों पर देखा जा चुका है। कंपनी अपनी इस नई एसयूवी को सोनेट और सेल्टॉस के बीच पोजिशन करेगी। इस एसयूवी में पैनोरमिक सनरूफ, ADAS जैसे कई फीचर्स को दिया जा सकता है।

# महिंद्रा XUV 3XO का नया टीज़र जारी हुआ, अब किस फीचर जानकारी सामने आई...

Mahindra की ओर से 29 अप्रैल 2024 को नई एसयूवी के तौर पर XUV 3XO को लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च से पहले कंपनी लगातार SUV से जुड़े फीचर्स की जानकारी दे रही है। हाल में ही Mahindra XUV 3XO का नया टीजर जारी किया गया है। 20 सेकेंड के वीडियो में और क या जानकारी मिल रही है। Mahindra की XUV 3XO में किन खूबियों को दिया जाएगा। आइए जानते हैं।

**नई दिल्ली।** देश की प्रमुख वाहन निर्माता Mahindra की ओर से भारतीय बाजार में जल्द ही नई एसयूवी (Mahindra XUV 3Xo) को लाने की तैयारी की जा रही है। कंपनी ने हाल में ही सोशल मीडिया पर चौथा टीजर जारी किया है। जिसमें नई एसयूवी XUV 3XO के एक और फीचर की जानकारी मिल रही है। कंपनी नई एसयूवी में किस तरह के फीचर्स को देने की तैयारी कर रही है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

**Mahindra XUV 3XO का नया Teaser जारी**

महिंद्रा की ओर से सोशल मीडिया पर नई एसयूवी XUV 3X0 का चौथा टीजर जारी किया गया है। कंपनी ने 20 सेकेंड का तीसरा वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है। जिसमें एसयूवी के इंटीरियर के साथ ही नए फीचर की जानकारी भी मिल रही है।

**मिली यह जानकारी**

नए टीजर में कंपनी की ओर से जानकारी दी गई है कि महिंद्रा XUV 3XO में बड़े स्काईरूफ को देगी। खास बात यह है कि यह Sky roof अपने सेगमेंट की अन्य एसयूवी के मुकाबले सबसे बड़ा होगा। लेकिन इस फीचर को सिर्फ कुछ ही वेरिएंट में ऑफर किया जाएगा।

**पहले मिली थी यह जानकारी**

कंपनी की ओर से एसयूवी के लॉन्च से पहले लगातार टीजर जारी किए जा रहे हैं। जिनमें एसयूवी से जुड़ी कई जानकारियों को बताया जा चुका है। कंपनी की ओर से अभी तक जारी किए टीचर में कई फीचर्स की जानकारी दी जा चुकी है। महिंद्रा अपनी नई एसयूवी XUV 3XO में रिमोट क्लाइमेट कंट्रोल, ड्यूल जोन क्लाइमेट कंट्रोल, फुली डिजिटल इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसे फीचर्स को देगी। इसके साथ ही एसयूवी में कनेक्टिड सी शेप टेल लाइट्स, रियर वाइपर, फ्रंट में ब्लैक रंग की ग्लॉसी फिनिश ग्रिल, ड्रॉप डाउन एलईडी डीआरएल, एलईडी हेडलाइट्स, वेंटिलेटिड सीट्स, ग्लॉसी फिनिश अलॉय व्हील्स जैसे फीचर्स को भी ऑफर किया जाएगा।

# महिंद्रा Xuv700, स्कार्पियो और स्कार्पियो N पर कितनी है वेटिंग

देश में एसयूवी निर्माता महिंद्रा की ओर से कई बेहतरीन एसयूवी ऑफर की जाती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की तीन दमदार एसयूवी की लिस्ट में शामिल XUV700 Scorpio क्लासिक और Scorpio N पर कितनी वेटिंग चल रही है। अप्रैल महीने में इन तीनों एसयूवी के किस वेरिएंट को खरीदने में कितना समय लग सकता है। आइए जानते हैं।

**नई दिल्ली।** भारत में महिंद्रा की ओर से कई बेहतरीन एसयूवी को ऑफर किया जाता है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि अप्रैल 2024 में कंपनी की XUV700, Scorpio और Scorpio N को खरीदने के बाद डिलीवरी के लिए कितना इंतजार करना पड़ सकता है।

### महिंद्रा XUV700 पर कितनी है वेटिंग

महिंद्रा की ओर से एक्सयूवी700 एसयूवी को कई बेहतरीन फीचर्स के साथ ऑफर किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की इस एसयूवी पर अप्रैल 2024 में अधिकतम 1.5 महीने का वेटिंग पीरियड चल रहा है। जानकारी के मुताबिक एसयूवी के टॉप वेरिएंट AX7 और AX7 L को खरीदने के बाद एक से 1.5 महीने तक का इंतजार करना पड़ सकता है। लेकिन एसयूवी के बेस वेरिएंट MX और इससे ऊपर AX3 को सिर्फ एक महीने बाद घर लाया जा सकता है। एक्सयूवी700 के मिड वेरिएंट AX5 को खरीदने के लिए भी 1.5 महीने का इंतजार करना पड़ सकता है।

### महिंद्रा Scorpio N के लिए कितना इंतजार

महिंद्रा की ओर से स्कॉर्पियो एन को भी काफी दमदार इंजन और फीचर्स के साथ लाया जाता है। कंपनी की स्कॉर्पियो एन को खरीदने के बाद डिलीवरी लेने के लिए अधिकतम पांच महीने का इंतजार करना पड़ सकता है। इसके एम2 डीजल मैनुअल वेरिएंट पर सबसे ज्यादा वेटिंग चल रही है। इसके बाद जेड 2 पेट्रोल मैनुअल, Z4 डीजल मैनुअल, Z4 डीजल ऑटोमैटिक पर चार महीने का इंतजार करना पड़ सकता है। एसयूवी के Z8 S और इससे ऊपर के सभी वेरिएंट्स को दो से तीन महीने के इंतजार के बाद घर लाया जा सकता है।

### महिंद्रा Scorpio क्लासिक पर कितनी वेटिंग

महिंद्रा की स्कॉर्पियो क्लासिक को भी बड़ी संख्या में ग्राहक पसंद करते हैं। कंपनी इस एसयूवी के सिर्फ दो वेरिएंट ही बाजार में ऑफर करती है। इसके बेस वेरिएंट S के लिए दो महीने और S11 के लिए चार से पांच महीने तक का इंतजार करना पड़ सकता है।

### ऐसे मिलेगी जानकारी

कंपनी के भारत में कई शोरूम हैं। ऐसे में हर शोरूम और शहर में सभी एसयूवी और वेरिएंट की उपलब्धता अलग अलग हो सकती है। लेकिन आपको अगर इनमें से किसी एसयूवी को खरीदना है तो पहले शोरूम जाकर बुकिंग और वेटिंग की जानकारी ली जा सकती है।

# टेस्ला ने अपनी कारों की प्राइस में की भारी कटौती

**नई दिल्ली।** इलेक्ट्रिक कार निर्माता Tesla की ओर से कई बेहतरीन कारों को ऑफर किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से अपनी कारों की कीमत को कम कर दिया गया है। कंपनी ने किन मॉडल्स की कीमतों में कमी की है और अब इनकी नई कीमत क्या होगी। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

### Tesla ने घटाए दाम

टेस्ला की ओर से अपनी कारों की कीमत को कम कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक कंपनी की ओर से तीन मॉडल्स की कीमत को कम किया गया है। इनमें मॉडल वाई, मॉडल एक्स और मॉडल एस शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक इन कारों की कीमतों में करीब दो हजार डॉलर तक कम किए गए हैं।

### कितनी हुई कीमत

कंपनी की ओर से कीमतों में कटौती करने के बाद अब मॉडल वाई के बेस वेरिएंट को 42990 डॉलर में खरीदा जा सकता है। इसके लॉन्ग रेंज मॉडल की कीमत 47990 और परफॉर्मेंस वेरिएंट की कीमत 51490 डॉलर हो गई है। मॉडल एस के ड्यूल मोटर ऑल व्हील ड्राइव को 72990 और ट्राई मोटर वेरिएंट को 87990 डॉलर की कीमत पर खरीदा जा सकता है। मॉडल एक्स के ड्यूल मोटर वेरिएंट की कीमत 77990 डॉलर और ट्राई मोटर वेरिएंट की कीमत 92990 डॉलर तय की गई है।

### मस्क की भारत यात्रा स्थगित हुई

कीमतों में कटौती से अलावा कंपनी प्रमुख एलन मस्क को भारत दौरे पर आना था। लेकिन Elon Musk की भारत यात्रा को स्थगित कर दिया गया है। एलन मस्क को 22 अप्रैल को भारत यात्रा पर आना था।

# 2024 मारुति डिजायर में होंगे ये पांच बड़े बदलाव, जानें कब होगी लॉन्च

कॉम्पैक्ट सेडान के तौर पर मारुति की ओर से Dzire को ऑफर किया जाता है। लेकिन जल्द ही इस कार को अपडेट के साथ भारतीय बाजार में लॉन्च किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मारुति की Dzire फेसलिफ्ट में किस तरह के बदलाव हो सकते हैं और इसमें किस तरह के फीचर्स को दिया जा सकता है।

**नई दिल्ली।** भारत में कॉम्पैक्ट सेडान के तौर पर मारुति Dzire को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से जल्द ही इस कार के नए वर्जन को भारत में पेश किया जाएगा। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि कंपनी की ओर से नई डिजायर में किस तरह के पांच बड़े बदलाव हो सकते हैं।

### एक्सटीरियर में होंगे यह बदलाव

रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से 2024 Dzire को जल्द पेश किया जा सकता है। इस कार के नए वर्जन में कंपनी एक्सटीरियर में कुछ खास बदलाव करेगी। कार की हेडलाइट मौजूदा वेरिएंट के मुकाबले छोटी हो सकती हैं। साथ ही फॉग लैंप की पोजिशन को भी बदला जा सकता है। सेडान कार के फ्रंट और रियर बंपर को भी नई तरह से डिजाइन किया जाएगा। इसके अलावा कार के अलॉय व्हील्स के डिजाइन को भी बदला जाएगा।

### इंटीरियर में होंगे यह बदलाव

मौजूदा डिजायर के मुकाबले नई डिजायर के इंटीरियर में भी कंपनी बदलाव करेगी। नई डिजायर के केबिन को मौजूदा वेरिएंट के मुकाबले ज्यादा लग्जरी लुक दिया जाएगा। इसके अलावा इसे सिंगल और ड्यूल टोन के विकल्प के साथ भी दिया जा सकता है। कार के डैशबोर्ड में भी बदलाव किए जा सकते हैं।

### मिलेंगे ज्यादा फीचर्स

2024 Dzire में कंपनी की ओर से ज्यादा फीचर्स को दिया जाएगा। इसमें इलेक्ट्रिक सनरूफ, एंबिएंट लाइट्स, नया इंफोटेनमेंट सिस्टम, एबीएस, ईबीडी, ईएसपी, हिल होल्ड असिस्ट, ट्रैक्शन कंट्रोल, छह एयरबैग जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं।

### कैसा होगा इंजन

मारुति की ओर से के सीरीज इंजन के बाद जेड सीरीज इंजन पर काम किया जा रहा है। कंपनी नई डिजायर में नया 1.2 लीटर का जेड सीरीज इंजन उपयोग करेगी। जिसके साथ हाइब्रिड तकनीक को दिया जाएगा। नए इंजन और हाइब्रिड तकनीक के कारण नई डिजायर अपने सेगमेंट में सबसे ज्यादा एवरेज देने वाली गाड़ी हो जाएगी।

### कब होगी लॉन्च

कंपनी की ओर से अभी नई डिजायर को लेकर किसी भी तरह की जानकारी को सार्वजनिक नहीं किया गया है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि नई डिजायर को इस साल फेस्टिव सीजन की शुरूआत से पहले ही पेश किया जा सकता है। Maruti Dzire के मौजूदा वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत की शुरूआत 6.56 लाख रुपये से होती है।

# कल लॉन्च होगी जीप रैंगलर फेसलिफ्ट, जानें क्या होंगे बदलाव, कितनी होगी कीमत

अमेरिकी एसयूवी निर्माता Jeep की ओर से भारतीय बाजार में कई दमदार SUV ऑफर की जाती हैं। 22 अप्रैल को कंपनी की ओर से ऑफ रोडिंग के लिए दुनियाभर में अपनी पहचान बनाने वाली Wrangler के Facelift वर्जन को लॉन्च किया जाएगा। Jeep Wrangler Facelift वर्जन में किस तरह के बदलावों को कंपनी की ओर से दिया जा सकता है। आइए जानते हैं।

**नई दिल्ली।** एसयूवी निर्माता Jeep की ओर से कल Wrangler एसयूवी के Facelift वेरिएंट को भारत में लॉन्च किया जाएगा। कंपनी की ओर से एसयूवी में किस तरह के बदलाव किए जा सकते हैं और इसकी क्या कीमत हो सकती है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

### कल होगी लॉन्च

जीप की ओर से ऑफ रोड एसयूवी के तौर पर रैंगलर को ऑफर किया जाता है। लेकिन सोमवार को कंपनी की ओर से इस एसयूवी के फेसलिफ्ट वेरिएंट को भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाएगा। कंपनी की इस एसयूवी के फेसलिफ्ट वर्जन में कई तरह के बदलाव किए जा सकते हैं।

### क्या होंगे बदलाव

जानकारी के मुताबिक Jeep Wrangler Facelift में कंपनी की ओर से इंटीरियर और एक्सटीरियर दोनों में बदलाव किए जाएंगे। एसयूवी में नया और बेहतर 12.3 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है। एयर वेंट्स की पोजिशन में बदलाव किया जा सकता है। एसयूवी में नया डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर भी दिया जा सकता है। इसके साथ ही एक्सटीरियर में भी ग्रिल, अलॉय व्हील्स और रूफ रेल को भी बदला जा सकता है। सेफ्टी के मामले में भी एसयूवी में कुछ और फीचर्स को ऑफर किया जा सकता है।

### कितना दमदार इंजन

Jeep Wrangler के 2024 वर्जन में कंपनी दो लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन को दे सकती है। जिससे एसयूवी को 266 बीएचपी और 400 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा। इसके साथ आठ स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन को दिया जा सकता है। एसयूवी को फोर व्हील ड्राइव के साथ लाया जा सकता है। खास बात यह है कि एसयूवी में डीजल इंजन का विकल्प नहीं मिलेगा।

### कितनी होगी कीमत

कंपनी की ओर से रैंगलर एसयूवी को रूबिकॉन और अनलिमिटेड वेरिएंट में ऑफर किया जाता है। फेसलिफ्ट वर्जन में भी दोनों वेरिएंट को दिया जा सकता है। नए वर्जन की एक्स शोरूम कीमत मौजूदा वेरिएंट के मुकाबले दो से चार लाख रुपये तक ज्यादा हो सकती है।

# हनुमान चालीसा की शक्ति का उपयोग: युवाओं और बच्चों में स्वैच्छिकता विकसित करने के लिए संस्कारशाला की पहल

डॉ. अंकुर शरण
नेशनल चीफ प्लानिंग एंड ट्रांसपोर्ट ऑफिसर
रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.)

**भगवान राम के प्रति हनुमान की अटूट प्रतिबद्धता और सेवा के उनके निस्वार्थ कार्यों की कहानियाँ बच्चों को उनके उदाहरण का अनुकरण करने के लिए प्रेरित करती हैं। कहानी कहने के सत्रों और इंटरैक्टिव चर्चाओं के माध्यम से, संस्कारशाला हनुमान के चरित्र के प्रति जिज्ञासा और प्रशंसा जगाती है, जिससे युवा मन में अपने समुदायों में सकारात्मक योगदान देने की इच्छा जागृत होती है।**

महत्वाकांक्षा और प्रतिस्पर्धा की विशेषता वाली आज की तेज़-तर्रार दुनिया में, स्वयंसेवा का सार अक्सर पीछे छूट जाता है। फिर भी, भारत में, जहां समुदाय और सेवा की भावना हमारे सांस्कृतिक लोकाचार में गहराई से समाहित है, सक्रिय स्वयंसेवकों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। इसे स्वीकार करते हुए, संस्कारशाला, एक अभिनव शैक्षिक पहल, ने हनुमान चालीसा के शाश्वत ज्ञान के माध्यम से युवाओं और बच्चों के बीच स्वयंसेवकवाद के मूल्यों को स्थापित करने के लिए एक अनूठी यात्रा शुरू की है।

हनुमान चालीसा, भगवान हनुमान को समर्पित एक भक्ति भजन है, जो निस्वार्थता, समर्पण और साहस जैसे गुणों का प्रतीक है। इसके छंद न केवल हनुमान के वीरतापूर्ण कार्यों का वर्णन करते हैं बल्कि अनुग्रह और विनम्रता के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में भी काम करते हैं। संस्कारशाला का मानना है कि हनुमान चालीसा में निहित शिक्षाओं को प्रदान करके, बच्चे समाज के प्रति सहानुभूति और सेवा में निहित एक मजबूत नींव विकसित कर सकते हैं।

लेकिन हनुमान चालीसा युवाओं और बच्चों में स्वैच्छिकता के विकास को कैसे सुगम बनाती है?

**1. आख्यानों के माध्यम से प्रेरणा:**
भगवान राम के प्रति हनुमान की अटूट प्रतिबद्धता और सेवा के उनके निस्वार्थ कार्यों की कहानियाँ बच्चों को उनके उदाहरण का अनुकरण करने के लिए प्रेरित करती हैं। कहानी कहने के सत्रों और इंटरैक्टिव चर्चाओं के माध्यम से, संस्कारशाला हनुमान के चरित्र के प्रति जिज्ञासा और प्रशंसा जगाती है, जिससे युवा मन में अपने समुदायों में सकारात्मक योगदान देने की इच्छा जागृत होती है।

**2. आंतरिक शक्ति को बढ़ावा देना:**
हनुमान चालीसा का जाप न केवल मन को शुद्ध करता है बल्कि आंतरिक शक्ति और लचीलेपन की भावना भी पैदा करता है। बच्चों को नियमित रूप से चालीसा पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करके, संस्कारशाला उन्हें दृढ़ संकल्प और दृढ़ता के साथ बाधाओं को दूर करने के लिए सशक्त बनाती है, जो प्रभावी स्वयंसेवकवाद के लिए आवश्यक गुण हैं।

**3. एकता और सहयोग को बढ़ावा देना:**
हनुमान चालीसा सामान्य लक्ष्यों को प्राप्त करने में एकता और सहयोग के महत्व पर जोर देती है। सहयोगात्मक गतिविधियों और समूह परियोजनाओं के माध्यम से, संस्कारशाला प्रतिभागियों के बीच सौहार्द की भावना को बढ़ावा देती है, और उन्हें अधिक अच्छे के लिए एक साथ काम करने का मूल्य सिखाती है।

**4. मानवता की सेवा:**
हनुमान चालीसा के मूल में निस्वार्थ सेवा की भावना निहित है। संस्कारशाला बच्चों को विभिन्न सामुदायिक सेवा पहलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करती है, जैसे आश्रय स्थलों पर स्वयंसेवा करना, स्वच्छता अभियान आयोजित करना या बुजुर्गों की सहायता करना। इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने से, बच्चे प्रत्यक्ष रूप से उस खुशी और संतुष्टि का अनुभव करते हैं जो दूसरों की मदद करने, सेवा के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता बनाए रखने से मिलती है।

युवाओं और बच्चों के बीच स्वयंसेवा को बढ़ावा देने के लिए हनुमान चालीसा की शक्ति का उपयोग करने की संस्कारशाला की पहल हमारी सांस्कृतिक विरासत की स्थायी प्रासंगिकता का एक प्रमाण है। पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शैक्षिक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करके, संस्कारशाला दयालु और सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यक्तियों की एक पीढ़ी के लिए मार्ग प्रशस्त करती है जो न केवल उदाहरण पेश करेंगे बल्कि दूसरों को भी सेवा के पथ पर चलने के लिए प्रेरित करेंगे।

ऐसी दुनिया में जहां व्यक्तिगत सफलता की खोज को अक्सर प्राथमिकता दी जाती है, संस्कारशाला जैसी पहल आशा की किरण के रूप में काम करती है, जो हमें निस्वार्थ सेवा की परिवर्तनकारी शक्ति और हमारे प्राचीन ग्रंथों में निहित कालातीत ज्ञान की याद दिलाती है। जैसे ही हम हनुमान चालीसा की शिक्षाओं को अपनाते हैं और अपने युवाओं और बच्चों के भीतर स्वयंसेवा की भावना का पोषण करते हैं, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अधिक दयालु और समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हैं।

संस्कारशाला ने बच्चों, किशोरों और संस्थानों में मानसिक और शारीरिक जुड़ाव को शामिल करते हुए भावनात्मक बुद्धिमत्ता (Emotional Intelligence) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्यशालाओं और पहलों का नेतृत्व किया है। उल्लेखनीय प्रयासों में रिदमशाला (Rhythmshala), डिजिटल रूप से इच्छुक युवाओं के बीच भारतीय लय को बढ़ावा देना शामिल है। कला निर्भर भारत (Art Nirbhar Bharat) सामाजिक परिवर्तन के लिए कारीगरों और मूल कला का समर्थन करने को प्राथमिकता देता है, जिसमें कला प्रतियोगिताएं शामिल हैं। Indian Green Buddy अभियान सतत विकास (Sustainable Development) की वकालत करता है, युवाओं से न्यूनतम जीवन शैली (Minimalist Life Style) अपनाने और प्रकृति के साथ फिर से जुड़ने का आग्रह करता है। ये पहलें सामूहिक रूप से समग्र विकास और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देती हैं, युवा पीढ़ी में महत्वपूर्ण कौशल और मूल्यों को स्थापित करती हैं।

indiangreenbuddy@gmail.com

## संपादक की कलम से

# शिक्षा के क्षेत्र में 'बेटियों की धूम' हर क्षेत्र में हो रहीं सफल

आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएं बाजी मार रही हैं। डाक्टर, अध्यापक, वकील, जज, इंजीनियर, बस और ट्रेन ड्राइवर, विमान पायलट, अंतरिक्षयात्रीऐसा कोई भी क्षेत्रनहींहै, जिसमें महिलाओं ने अपनी पहचान न बनाई हो। कुछ समय पूर्व पंजाब के जिला जालंधर के कस्बा आदमपुर के निकट जंडू सिंघा में आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बेटी सोनाली कौल ने जज बन कर परिवार का नाम रौशन किया। हाल ही में कुछ परीक्षाओं के घोषित परिणामों ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि लड़कियां किसी भी दृष्टि से लड़कों से कम नहीं। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा 18 अप्रैल को घोषित 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में 96.47 प्रतिशत लड़कों की तुलना में 98.11 प्रतिशत लड़कियां सफल हुई हैं।

पास प्रतिशत के लिहाज से अमृतसर जिला प्रथम, पठानकोट द्वितीय और तरनतारन जिला तृतीय स्थान पर रहा जबकि इनके बाद गुरदासपुर, फिरोजपुर, फरीदकोट, होशियारपुर, एस.बी.एस. नगर, फाजिल्का, कपूरथला, रूपनगर, मोगा, एस.ए.एस. नगर, जालंधर, बठिंडा, मानसा, बरनाला, पटियाला, मालेरकोटला, संगरूर, श्री मुक्तसर साहिब, लुधियाना व फतेहगढ़ साहिब रहे।

*राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अमृतसर जिले का पास प्रतिशत सर्वाधिक (99.24) रहा तथा जिले में 29 विद्यार्थियों ने मैरिट में स्थान प्राप्त किया जिनमें 19 लड़कियां हैं।

* 99.22 प्रतिशत परिणाम के साथ पठानकोट जिला दूसरे स्थान पर रहा। जिले में 8 लड़कियों सहित 10 छात्रों ने मैरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त किया।

* तरनतारन जिले ने राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त किया परंतु यहां कोई छात्र मैरिट में स्थान बनाने में सफल न हो पाया।

* जिला गुरदासपुर से मैरिट में आने वाले 14 छात्रों में से 13 लड़कियां हैं।

* फिरोजपुर जिले के 17 छात्रों में से 13 लड़कियों ने मैरिट में स्थान प्राप्त किया।

* होशियारपुर जिले से मैरिट में आने वाले 24 छात्रों में 22 लड़कियां हैं।

* कपूरथला जिले में पहले 5 स्थान लड़कियों ने ही प्राप्त किए हैं।

*फाजिल्का जिले में मैरिट में आए 8 छात्रों में से 7 लड़कियां हैं।

*पटियाला जिले में मैरिट में आए 39 छात्रों में 28 लड़कियां हैं।

*जालंधर जिले में मैरिट में आने वाले 18 छात्रों में 13 लड़कियां हैं।

इन परिणामों की एक दिलचस्प बात यह है कि लुधियाना जिले ने राज्य में 22वां स्थान प्राप्त किया है तथा मैरिट में आने वाले इसके 59 विद्यार्थियों में से 47 लड़कियां हैं परंतु सफल विद्यार्थियों में पहले 2 स्थान लुधियाना के ही तेजा सिंह स्वतंत्र स्कूल की छात्राओं अदिति तथा अलीशा शर्मा ने प्राप्त किए हैं। अदिति ने 650 में से 650 अंकों के साथ मैरिट में राज्य में पहला, इसी स्कूल की अलीशा शर्मा ने दूसरा तथा अमृतसर के अम्बर पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल, नवां तनेल, बाबा बकाला की छात्रा करमनप्रीत कौर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा मैट्रिक के परिणाम की घोषणा के अगले दिन 19 अप्रैल को झारखंड एकैडेमिक कौंसिल बोर्ड द्वारा जारी 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में 91 प्रतिशत छात्राओं और 80.70 प्रतिशत छात्रों ने सफलता प्राप्त की। हजारीबाग स्थित इंदिरा बालिका हाई स्कूल की छात्राओं ने पहले 3 स्थान प्राप्त किए जबकि मैरिट में स्थान बनाने वाले विभिन्न स्कूलों के 44 छात्रों में इस स्कूल की 19 छात्राएं शामिल हैं। इससे पूर्व 31 मार्च, 2024 को घोषित बिहार शिक्षा बोर्ड के दसवीं कक्षा के परिणाम में भी 680293 लड़कों की तुलना में 699549 लड़कियों ने सफलता प्राप्त करके अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की।

## चिंतन

# लोकतंत्र का विरोधाभास : निराश मतदाता और जवाबदेही की तलाश

**लोकतंत्र का सबसे शक्तिशाली अंग, मतदाता, सबसे अधिक त्रस्त क्यों है? सैद्धांतिक रूप से, लोकतंत्र जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता के शासन का प्रतीक है। जाहिर तौर पर लोग किसी भी लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। लोकतंत्र में जनकल्याण से बढ़कर किसी...**

लोकतंत्र का सबसे शक्तिशाली अंग, मतदाता, सबसे अधिक त्रस्त क्यों है? सैद्धांतिक रूप से, लोकतंत्र जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता के शासन का प्रतीक है। जाहिर तौर पर लोग किसी भी लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। लोकतंत्र में जनकल्याण से बढ़कर किसी चीज की कल्पना नहीं की जा सकती। लेकिन फिर भी क्या यह हकीकत में सच है? दरअसल यह आसानी से देखा जा सकता है कि आम आदमी यानी मतदाता ही किसी भी व्यवस्था का सबसे बड़ा भुक्तभोगी होता है। लोकतंत्र के सबसे शक्तिशाली अंग के रूप में मतदाता के पास मतपेटी के माध्यम से राष्ट्र की नियति को आकार देने की कुंजी है। फिर भी, व्यवहार में मतदाताओं की निराशा स्पष्ट है। ऐसा क्यों है कि लोकतंत्र का मूल मंत्र, जो कल्याण और सशक्तिकरण का वादा करता है, अक्सर आम आदमी को निराश कर देता है?

भारत में सत्ता की सबसे छोटी इकाई पंचायत है। सबसे बड़ी सीट लोकसभा है। राज्यों पर शासन करने के लिए राज्य विधानसभाएं हैं। दो दलीय व्यवस्था वाले देशों में सत्ता का बंटवारा दो दलों के बीच होता रहता है। रूस जैसे छद्म लोकतांत्रिक देशों में सत्ता मजबूत नेता के हाथ में ही रखी जाती है। लेकिन भारत जैसे बहुदलीय लोकतंत्र में अलग-अलग स्तर पर अलग-अलग पार्टियां शासन करती हैं। नई-नई पार्टियां उभरती रहती हैं। लेकिन सभी चुनाव मतदाताओं द्वारा ही होते हैं। हर स्तर पर सरकार चुनने की पूर्ण शक्ति मतदाता के पास है। प्रत्येक मतदाता के पास वोट की समान शक्ति होती है, तो सवाल यह उठता है कि जबकि सभी स्तरों पर सरकार केवल मतदाताओं द्वारा चुनी जाती है, फिर भी उन्हें ही पीड़ित क्यों होना पड़ता है?

लोकतंत्र की आधारशिला चुनावी प्रक्रिया में राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए बड़े-बड़े वायदे करते हैं। हालांकि, चुनाव केवल नए शासकों को चुनने के लिए एक तंत्र के रूप में कार्य करते हैं और जरूरी नहीं कि उन वायदों को पूरा करने की गारंटी भी देते हों। भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों का चुनावी परिदृश्य ऐसे वायदों से भरा पड़ा है जो आम आदमी की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करते हैं। हालांकि, प्रत्येक गुजरते चुनाव चक्र के साथ बयानबाजी और वास्तविकता के बीच का अंतर बढ़ता जाता है। राजनीतिक दलों द्वारा इन गंभीर मुद्दों के समाधान के लिए की गई जोशीली प्रतिज्ञाओं के बावजूद, जमीनी हकीकत अक्सर बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करती है। आम मतदाता के लिए, संघर्ष केवल प्रतिस्पर्धी वादों के बीच चयन करने के बारे में नहीं है, बल्कि अधूरी उम्मीदों की भूल-भुलैया से निकलने के बारे में भी है।

प्रणालीगत असमानताओं और आर्थिक विषमताओं के कारण गरीबी का चक्र जारी है। दशकों की प्रतिज्ञाओं के बावजूद, लाखों लोग अभी भी अभाव और अवसरों की कमी से जूझ रहे हैं। भारत की आजादी के बाद से ही गरीबी उन्मूलन हर राजनीतिक दल का एजैंडा रहा है। इसी तरह आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतें हर चुनाव में मुद्दा रही हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सुरक्षा, बुनियादी ढांचा आदि अन्य सामान्य एजैंडे रहे हैं। एक आम आदमी की ज्यादा महत्वाकांक्षाएं नहीं होतीं। उनकी उम्मीदें पर्याप्त आय, वस्तुओं की नियंत्रित कीमतें, उनके बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा सुविधाएं, अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं, व्यक्तिगत सुरक्षा और त्वरित न्याय तक सीमित हैं। विडम्बना यह है कि हर चुनाव के साथ वादों की आवाज जूं-जूं दवा की।

हमें मतदाता द्वारा निर्णय लेने की प्रक्रिया को समझना होगा ताकि यह समझा जा सके कि वह कैसे निर्णय लेता है कि किसके पक्ष में मतदान करना है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान राजनीतिक दल मतदाताओं से कई वायदे करते हैं। मतदाता विभिन्न पार्टियों के वादों को तौलते हुए पार्टी विशेष के पक्ष में मतदान करने का मन बनाते हैं। दुर्भाग्य से मतदाताओं जिनमें से अधिकांश अशिक्षित और अनभिज्ञ होते हैं, के सामने वादों को वास्तविकता में बदलने की संभावना को सत्यापित करने के लिए बहुत कम जानकारी होती है। नेता और मीडिया की विश्वसनीयता मतदाता के फैसले पर असर डालती है। कुछ मतदाता किसी विशेष पार्टी की विचारधारा का पालन करते हैं और इस आधार पर उनके प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। इसके अतिरिक्त धार्मिक एवं जातिगत मान्यता भी वोटर को प्रभावित करती है लेकिन पूरी व्यवस्था में सबसे बड़ी खामी यह है कि वादा पूरा न कर पाने वाले दलों की कोई जवाबदेही नहीं है।

मतदाता के पास एकमात्र उपाय यही है कि वह अगले चुनाव में अपना मन बदल दे और सरकार बदल दे। लेकिन नए वायदों पर आने वाले नए शासक की फिर वायदे पूरे न करने की कोई जवाबदेही नहीं है। आजादी के बाद भारत में सभी वर्षों के दौरान चक्रों में ऐसा होता रहा है। विडंबना यह है कि ज्यादातर सरकारें पिछली सरकार के खराब प्रदर्शन के लिए चुनी जाती हैं और अपने किसी अच्छे काम के आधार पर नहीं। स्पष्ट आंकड़े हैं जो दिखाते हैं कि सरकारें कैसे सत्ता विरोधी लहर के कारण बदली जाती हैं। इससे राजनीतिक दलों को भी संतुष्टि मिली है। वे समझते हैं कि भले ही विपक्ष में रहते हुए उन्होंने कोई अच्छा काम नहीं किया, लेकिन सत्ताधारी दल की सत्ता विरोधी लहर के कारण उन्हें सत्ता मिल जाएगी। इसके अलावा भारत में प्रमुख राजनीतिक दल हमेशा केंद्र या राज्यों में सत्ता में रहते हैं। ऐसा शायद ही कोई समय होता है जब कोई बड़ी पार्टी राज्यों और केंद्र दोनों में सत्ता से पूरी तरह बाहर हो जाती है। चुनाव हर 5 साल में आते हैं और कुछ समय तक सत्ता से बाहर रहने से पार्टियों को ज्यादा डूबचता नहीं होती। इससे मतदाता एक दुष्चक्र में फंस गया है क्योंकि किसी को भी सत्ता खोने का डर नहीं है क्योंकि सत्ता में दोबारा आने का मौका है।

मतदाता तो सरकारें बदलता ही रहता है। हताशा में है लेकिन राजनीतिक दलों को अपने पक्ष में काम करने के लिए प्रभावित नहीं कर सकते। मतदान का एक पहलू यह भी ध्यान में रखने की जरूरत है कि पैसे या अन्य आभार के लिए वोट देने की कुप्रथा है। इससे गलत लोगों का चयन हो जाता है जो बाद में उन लोगों की परवाह नहीं करते जिन्होंने उन्हें वोट दिया था क्योंकि उन्हें लगता है कि भविष्य में उन्हें इसी तरह दोबारा वोट मिल सकते हैं। यद्यपि वोटिंग पावर तो हर मतदाता के पास है लेकिन व्यवस्था ऐसी है कि सत्ता चंद हाथों में केन्द्रित हो जाती है। हर व्यक्ति को वोट देने का अधिकार है लेकिन उसी वोट को वापस लेने का अधिकार नहीं है।

इन प्रणालीगत चुनौतियों से निपटने और मतदाताओं को सशक्त बनाने के लिए चुनाव सुधार जरूरी हैं। वापस बुलाने के अधिकार जैसे तंत्र की शुरूआत से मतदाताओं को चुनावों के बीच निर्वाचित प्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त, पार्टियों को अपने घोषणापत्र के वादों को पूरा करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य होना चाहिए, गैर-अनुपालन के लिए दंड का प्रावधान होना चाहिए, जिसमें भविष्य के चुनावों में भाग लेने से अयोग्यता भी शामिल है।

मतदाता जागरूकता और जांच को बढ़ावा देने में मीडिया, नागरिक समाज और बौद्धिक समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पार्टी घोषणा पत्रों के निष्पक्ष विश्लेषण और प्रगति की नियमित निगरानी के माध्यम से, ये संस्थान मतदाताओं को सूचित विकल्प चुनने और निर्वाचित प्रतिनिधियों से जवाबदेही की मांग करने के लिए सशक्त बना सकते हैं।

केस अध्ययन और शोध निष्कर्ष, सुधार की तत्काल आवश्यकता के बारे में इंगित करते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि चुनावी बदलाव का पैटर्न वैकल्पिक दृष्टिकोण में विश्वास की तुलना में मौजूदा सरकारों के प्रति असंतोष से अधिक प्रेरित है। इसके अतिरिक्त, अधूरे वायदों और शासन की विफलताओं के उदाहरण चुनावी बयानबाजी और शासन की वास्तविकता के बीच अंतर को उजागर करते हैं।

निष्कर्षतः, जबकि लोकतंत्र मतपेटी के माध्यम से सशक्तिकरण का वायदा करता है, इसकी प्रभावशीलता, जवाबदेही और सूचित निर्णय लेने पर निर्भर करती है। मतदाताओं को जवाबदेही के तंत्र के साथ सशक्त बनाकर, जागरूकता को बढ़ावा देकर और चुनाव सुधारों की वकालत करके, राष्ट्र लोकतांत्रिक आदर्शों और शासन की वास्तविकताओं के बीच की खाई को पाट सकते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि मतदाता की आवाज न केवल चुनावों के दौरान बल्कि पूरे शासन चक्र में गूंजती रहे। मतदाता जागरूकता, जिसे अक्सर लोकतंत्र के विमर्श में नजरअंदाज कर दिया जाता है, लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने में एक बुनियादी स्तंभ के रूप में खड़ी है। मतदाताओं के सामने आने वाली चुनौतियों के मद्देनजर, नागरिकों को सशक्त बनाने और लोकतंत्र की सच्ची भावना को बनाए रखने के लिए मतदाता जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। इसमें चुनावी प्रक्रिया में नागरिकों का ज्ञान, समझ और भागीदारी शामिल है। इसमें राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों, उनके घोषणा पत्रों और उनके राष्ट्र के शासन को आकार देने में उनके वोट के महत्व के बारे में सूचित किया जाना शामिल है।

मतदाता जागरूकता बढ़ाने के ठोस प्रयासों के माध्यम से, राष्ट्र अधिक सक्रिय, सूचित और सशक्त नागरिकों के लिए मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं, जिससे उनके समाज के लोकतांत्रिक ताने-बाने को समृद्ध किया जा सकता है। राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समय-समय पर समीक्षा भी करनी चाहिए। ऐसा अभ्यास 5 साल का मामला नहीं होना चाहिए, बल्कि यह बहुत बार-बार होना चाहिए। मतदाताओं को अपने अधिकारों के प्रति अधिक सतर्क रहना चाहिए और 5 साल बाद सरकार बदलने के बजाय हर समय सरकारों को चौकन्ना एवं दबाव में रखना चाहिए।

**-अश्वनी कुमार गुप्ता, सी.ए.**

# भाजपा अब पार्टी नहीं एक पंथ का नाम है

पिछले सप्ताह के कॉलम (इंडियन एक्सप्रैस, पंजाब केसरी रविवार, 14 अप्रैल, 2024) में, मैंने इस तथ्य पर अफसोस जताया था कि मैं कांग्रेस और भाजपा के घोषणा पत्रों की तुलना करने में असमर्थ था। उस रविवार सुबह 8.30 बजे भाजपा ने मोदी की गारंटी नाम से अपना घोषणा...

पिछले सप्ताह के कॉलम (इंडियन एक्सप्रैस, पंजाब केसरी रविवार, 14 अप्रैल, 2024) में, मैंने इस तथ्य पर अफसोस जताया था कि मैं कांग्रेस और भाजपा के घोषणा पत्रों की तुलना करने में असमर्थ था। उस रविवार सुबह 8.30 बजे भाजपा ने मोदी की गारंटी नाम से अपना घोषणा पत्र जारी किया। अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि भाजपा एक राजनीतिक दल नहीं है, यह एक पंथ का नाम है और दस्तावेज के जारी होने के साथ, पंथ पूजा को पूर्ववर्ती राजनीतिक दल के 'मूल' सिद्धांत के रूप में स्थापित किया गया है। दस्तावेज पिछले 5-10 वर्षों में भाजपा-एन.डी.ए. सरकार द्वारा किए गए कार्यों का संग्रह है। भाजपा ने अपने सभी दोषों और असमानताओं के साथ चल रहे कार्यक्रमों को फिर से तैयार किया है, और सामाजिक और आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना आगे बढने की कसम खाई है।

'मोदी की गारंटी' में गलत तरह की बहुत सारी मारक क्षमता है। इनमें सबसे आगे हैं समान नागरिक संहिता (यू.सी.सी.) और वन नेशन-वन इलैक्शन (ओ.एन.ओ.ई.) दोनों को, या कम से कम एक को, प्रमुख संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता होगी लेकिन भाजपा नेतृत्व निश्चिंत दिख रहा है। उनका पहला उद्देश्य एक राजनीतिक और प्रशासनिक मॉडल का निर्माण करना है जो सभी शक्तियां केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री में निहित करेगा। दूसरा, सामाजिक और राजनीतिक व्यवहार के संदर्भ में, जहां तक संभव हो, जनसंख्या को एकरूप बनाना है। तीसरा उद्देश्य तथाकथित भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के लिए प्रधानमंत्री की 'व्यक्तिगत प्रतिबद्धता' को लागू करना है जो विपक्षी दलों और राजनीतिक नेताओं के खिलाफ लक्षित है।बाकी 'मोदी की गारंटी' पिछले 10 वर्षों के दावों और दंभों का थका देने वाला दोहराव है। पुराने नारे किनारे कर दिए गए हैं और नए नारे गढ़े गए हैं। उदाहरण के लिए, यह अब अच्छे दिन आने वाले नहीं हैं, यह विकसित भारत है, मानो 10 वर्षों में विकासशील देश से विकसित देश में जादुई परिवर्तन हो गया हो। यह एक हास्यास्पद दावा है।

आइए 'मोदी की गारंटी' 2024 के मुख्य वायदों की ओर मुड़ें : समान नागरिक संहिता : भारत में कई नागरिक संहिताएं हैं जिन्हें कानूनी तौर पर 'परम्पराओं' के रूप में मान्यता प्राप्त है। हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सिख, पारसी और यहूदियों के कोड में अंतर जगजाहिर है। विभिन्न समुदायों के अलग-अलग धार्मिक त्यौहार होते हैं। विवाह, तलाक और गोद लेने के विभिन्न नियम और रीति-रिवाज, उत्तराधिकार और उत्तराधिकार के विभिन्न नियम और जन्म और मृत्यु पर मनाए जाने वाले विभिन्न रीति-रिवाज। पारिवारिक संरचना, खान-पान, पहनावे और सामाजिक व्यवहार में अंतर होता है। जो बात बहुत अच्छी तरह से ज्ञात नहीं है वह यह है कि प्रत्येक धार्मिक समूह के भीतर, समूह के विभिन्न वर्गों के बीच कई अंतर होते हैं। यू.सी.सी. समरूपीकरण के लिए एक व्यंजना है। राज्य को इसमें कदम क्यों उठाना चाहिए और समुदायों को एकरूप बनाना चाहिए? समान नियम लिखने का कार्य किसे या किस समूह के पुरुषों और महिलाओं को सौंपा जाएगा? क्या ऐसा समूह लोगों के बीच असंख्य मतभेदों को प्रतिबिंबित करने के लिए पर्याप्त रूप से प्रतिनिधि होगा?

समरूपीकरण हर व्यक्ति को एक ही सांचे में ढालने और नागरिकों के जीवन को नियंत्रित करने का एक शरारती प्रयास है ठीक उसी तरह जैसे चीन ने सांस्कृतिक क्रांति के दौरान किया था और शानदार ढंग से विफल रहा था। यू.सी.सी. मानव की स्वतंत्र भावना का अपमान है और यह भारत की प्रसिद्ध 'अनेकता में एकता' को मिटा देगा। व्यक्तिगत कानूनों में सुधार आवश्यक है लेकिन सुधारों को प्रज्वलित करने वाली चिंगारी समुदाय के भीतर से आनी चाहिए। राज्य-निर्मित कानून केवल समुदाय द्वारा स्वीकृत या मौन रूप से स्वीकृत सुधारों को ही मान्यता दे सकता है। यू.सी.सी. विभिन्न समुदायों और संस्कृतियों के बीच कड़वी बहस को जन्म देगा, बहस से कटुता, क्रोध और नाराजगी पैदा होगी और नाराजगी संघर्ष में बदल जाएगी जो हिंसक हो सकती है।

एक देश-एक चुनाव : ओ.एन.ओ.ई. क्षेत्रीय मतभेदों, प्राथमिकताओं और संस्कृतियों को मिटाने का एक परोक्ष प्रयास है। भारत की लोकतांत्रिक संरचना संयुक्त राज्य अमरीका की संस्थाओं से प्रेरित थी। संयुक्त राज्य अमरीका एक महासंघ है और हर 2 साल में प्रतिनिधि सभा के लिए, हर 4 साल में राष्ट्रपति पद के लिए और हर 6 साल में सीनेट के लिए चुनाव आयोजित करता है। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसी संघीय संसदीय प्रणालियों में एक साथ चुनाव नहीं होते हैं। ओ.एन.ओ.ई. इस सिद्धांत के विपरीत है कि कार्यकारी सरकार हर दिन विधायिका के प्रति जवाबदेह होती है। ओ.एन.ओ.ई., ई.सी.आई. से चुनाव कैलेंडर का नियंत्रण छीनने का सरकार का प्रयास है।

भ्रष्टाचार विरोधी धर्मयुद्ध : भ्रष्टाचार के खिलाफ तथाकथित धर्मयुद्ध का उद्देश्य सभी विपक्षी दलों को नष्ट करना और विपक्षी नेताओं को राजनीतिक कार्रवाई से बाहर करना है। भाजपा के घातक आलिंगन ने पहले ही कई क्षेत्रीय (एकल-राज्य) पार्टियों को महत्वहीन बना दिया है।

# अब नए ग्राहक नहीं जोड़ पाएंगे गूगल पे और फोन पे?

परिवहन विशेष न्यूज

Google Pay और PhonePe की यूपीआई-बेस्ड डिजिटल ट्रांजेक्शन में 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। NPCI को लगता है कि दो ही पेमेंट ऐप इतनी अधिक निर्भरता खतरनाक हो सकती है। इनके साथ कोई तकनीकी समस्या होने पर यूजर्स को परेशानी होगी। साथ ही मोनोपॉली का जोखिम भी रहेगी। इसलिए पेमेंट ऐप का अधिकतम मार्केट शेयर 30 प्रतिशत तक पर सीमित करने का नियम लागू होने वाला है।

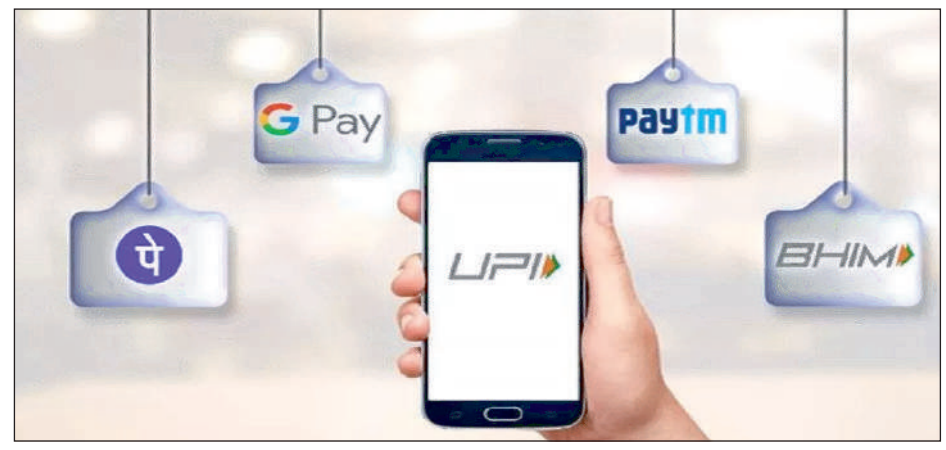


**नई दिल्ली।** नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने नियम बनाया था कि किसी भी थर्ड पार्टी पेमेंट वॉलेट की UPI ट्रांजेक्शन में 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी नहीं होगी। अगर किसी भी पेमेंट वॉलेट की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक होती है, तो उसे घटाने का इंतजाम किया जाएगा।

यह नियम पहले दिसंबर 2022 से लागू होने वाला था, लेकिन बाद में Google Pay और Walmart के PhonePe जैसे थर्ड-पार्टी ऐप प्रोवाइडर (TPAP) को दो साल की मोहलत दे दी, जो इस साल के आखिर यानी दिसंबर 2024 तक खत्म होने वाली है। मतलब कि जिन पेमेंट ऐप की डिजिटल ट्रांजेक्शन में हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक है, उन्हें 1 जनवरी 2025 तक इसे घटाने का इंतजाम कर लेना होगा।

### कैसे घटाई जाएगी हिस्सेदारी?

गूगल पे और फोनपे जैसे दो ही थर्ड पार्टी पेमेंट ऐप की फिलहाल UPI-बेस्ड ट्रांजेक्शन में 85 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, पेटीएम इस सेगमेंट का सबसे चर्चित ऐप रहा है, फिर भी उसकी हिस्सेदारी काफी कम है। ये ऐप भी इंतजार कर रहे हैं कि डिजिटल ट्रांजेक्शन में हिस्सेदारी घटाने के बारे में NPCI से किसी तरह की गाइडलाइंस आती है या नहीं। NPCI ही यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) चलाता है, जिसका इस्तेमाल खरीदारी के वक्त रियल टाइम यानी हाथोंहाथ डिजिटल पेमेंट के लिए किया जाता है।

समाचार एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि NPCI जोखिम कम करने के लिए 30 प्रतिशत यूपीआई मार्केट सीलिंग को लागू करने का तरीका बताया जाएगा। इसका एक उपाय यह हो सकता है कि 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी वाले ऐप को नए ग्राहक जोड़ने से मना कर दिया जाए। हालांकि, यह काम चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा, ताकि यूजर्स को किसी तरह की परेशानी ना हो।

अभी डेडलाइन खत्म होने में कुछ महीने बचे हैं। ऐसे में उम्मीद है कि NPCI आने वाले समय में इस पर और क्लैरिटी देगा, जिससे बिना किसी अड़चन के यह नियम लागू हो जाएगा।

### मोनोपॉली से यूजर्स का नुकसान

एक सीनियर बैंकर का कहना है, 'जब दो ऐप (Google Pay और Phone Pe) का ट्रांजेक्शन पर इतनी अधिक रहेगी, तो इससे जोखिम बढ़ जाता है। अगर इनके साथ कोई दिक्कत होती है, तो पूरा पेमेंट सिस्टम हिल जाएगा। इससे यूजर्स को बड़ी दिक्कतों का सामना करना भी पड़ सकता है।' यही वजह है कि NPCI डिजिटल ट्रांजेक्शन में इनकी हिस्सेदारी घटाने का इंतजाम कर रहा है।

प्रतिस्पर्धा कानूनों में विशेषज्ञता वाले वरिष्ठ वकील संजीव शर्मा का कहना है कि इस तरह की स्थिति में प्रतिस्पर्धा की गुंजाइश काफी कम हो जाती है, जिससे यूजर्स को ज्यादा कीमत पर चुकानी पड़ सकती है।

उन्होंने कहा कि दिग्गज कंपनी मार्केट शेयर हथियाने के लिए भारी-भरकम निवेश करती हैं। जब मार्केट पर उनकी मोनोपॉली हो जाती है, तो अपने निवेश पर बड़ा रिटर्न हासिल करने के लिए ये अपनी सेवाओं का दाम बढ़ा देते हैं। इससे इनोवेशन की गुंजाइश भी कम हो जाती है और छोटी कंपनियों को फलने-फूलने का मौका भी नहीं मिलता।

## क्या खेती से होने वाली कमाई पर लगता है टैक्स, या किसानों को मिलती है कोई खास रियायत?

वित्त वर्ष 2024-25 की शुरुआत के साथ टैक्स भरने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। देश में कई बड़ी हस्तियां और कारोबारी घराने हैं जो टैक्स के रूप में करोड़ों रुपये चुकाती हैं। यहां तक कि नौकरीपेशा लोगों को इनकम टैक्स भरना पड़ता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या कृषि यानी खेती से होने वाली आमदनी पर भी टैक्स लगता है। आइए इसका जवाब जानते हैं।

**नई दिल्ली।** वित्त वर्ष 2024-25 की शुरुआत के साथ टैक्स भरने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। देश में कई बड़ी हस्तियां और कारोबारी घराने हैं, जो टैक्स के रूप में करोड़ों रुपये चुकाती हैं। यहां तक कि नौकरीपेशा लोगों को इनकम टैक्स भरना पड़ता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या कृषि यानी खेती से होने वाली आमदनी पर भी टैक्स लगता है। आइए इसका जवाब जानते हैं।

**कृषि आय पर लगता है टैक्स?** इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के मुताबिक, कृषि से होने वाली कमाई टैक्स फ्री है। मतलब कि किसानों को खेती से मिलने वाली आय पर कोई कर नहीं देना होता। ऐसे में उन्हें कोई इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) भी फाइल करने की जरूरत नहीं। लेकिन, कुछ खास परिस्थितियों में किसानों को भी टैक्स चुकाना पड़ सकता है।

**किसानों पर कब लगता है टैक्स?** अगर किसान खेती की आय से कोई कारोबार शुरू करता है, तो उससे होने वाली कमाई पर टैक्स लगेगा। जैसे कि पशुपालन या फिर डेयरी का धंधा। कृषि से होने वाली कमाई को किसी अन्य कारोबार या योजना में निवेश करने पर भी टैक्स देना होगा। अगर आप खेती के पैसों को शेयर बाजार में लगाते हैं, तो उस पर भी टैक्स लगेगा।

अमीर किसानों पर टैक्स की बात कई एक्सपर्ट अमीर किसानों पर टैक्स लगाने की वकालत करते हैं। उनकी दलील है कि सरकार गरीब किसानों के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर करके उनका ध्यान रख रही है, तो ऐसे में अमीर किसानों पर टैक्स लगाकर उसकी भरपाई होनी चाहिए।

RBI MPC मेंबर आशिमा गोयल ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि सरकार अभी किसानों को जो आर्थिक मदद दे रही है, वह निगेटिव टैक्स है। वह अमीर किसानों पर टैक्स लगाकर पॉजिटिव इनकम टैक्स वसूल सकती है। इस टैक्स सिस्टम बेहतर होगा।

## इस हफ्ते भी शेयर मार्केट पर दिखेगा ईरान-इजरायल विवाद का खौफ? जानें किन फैक्टर्स पर रहेगी नजर

पिछले हफ्ते ईरान और इजरायल के बीच तनाव के चलते भारतीय शेयर बाजार में लगातार चार दिनों तक गिरावट देखने को मिली थी। आखिरी कारोबारी दिन निवेशकों को थोड़ी राहत मिली जब बाजार हरे निशान में बंद हुआ। आइए जानते हैं कि इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजार का मिजाज कैसा रहेगा और इसकी चाल किन फैक्टर से प्रभावित हो सकती है।

**नई दिल्ली।** पिछले हफ्ते ईरान और इजरायल के बीच तनाव के चलते भारतीय शेयर बाजार में लगातार चार दिनों तक गिरावट देखने को मिली थी। आखिरी कारोबारी दिन निवेशकों को थोड़ी राहत मिली, जब बाजार हरे निशान में बंद हुआ। हालांकि, उस दिन भी बाजार गिरावट के साथ ही खुला था, लेकिन बाद में बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 599.34 अंक यानी 0.83 प्रतिशत उछलकर 73,088.33 पर बंद हुआ था।

**इस हफ्ते कैसी रहेगी बाजार की चाल?**

इस हफ्ते भी बाजार की दिशा तय करने में ईरान-इजराइल संघर्ष की अहम भूमिका रहेगी। साथ ही, कंपनियों के तिमाही नतीजे और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से भी मार्केट का रुख प्रभावित होगा। कच्चे तेल और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल भी बाजार के उतार-चढ़ाव पर असर डालेगी।

स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के सीनियर टेक्निकल एनालिस्ट प्रवेश गौड़ का कहना है कि अगर ईरान और इजरायल के बीच तनाव ज्यादा बढ़ता है, तो दुनियाभर के शेयर बाजारों में खौफ बढ़ेगा और निवेशक बिकवाली करेंगे। साथ ही, क्रूड ऑयल की कीमतों पर भी मार्केट की नजर रहेगी, जो भू-राजनीतिक घटनाओं को लेकर काफी संवेदनशील होता है।

**Q4 नतीजों पर भी रहेगी नजर**

पिछले हफ्ते इन्फोसिस और विप्रो जैसी आईटी कंपनियों के साथ HDFC बैंक का भी रिजल्ट आया था। इस हफ्ते भी टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, नेस्ले, बजाज फिनसर्व, HCL टेक्नोलॉजीज और मारुति जैसी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं, जिन पर निवेशकों की नजर रहेगी।

साथ ही, अमेरिका से जीडीपी डेटा और जापान से मौद्रिक नीति पर कुछ अहम आंकड़े आ सकते हैं, जो खासकर विदेशी निवेशकों के मिजाज को प्रभावित कर सकते हैं।

## इस हफ्ते खुलेंगे चार IPO, निवेश करने से पहले जानिए पूरी डिटेल

पिछला हफ्ता आईपीओ के लिहाज से काफी ठंडा रहा। लेकिन इस हफ्ते आईपीओ का मार्केट थोड़ा गुलजार रहने वाला है। 22 अप्रैल से शुरू होने वाले हफ्ते में मेनबोर्ड सेगमेंट में 1 और SME सेगमेंट में तीन आईपीओ खुल रहे हैं। साथ ही अभी वोडाफोन आइडिया का FPO भी सब्सक्राइब किया जा सकता है। आइए इनके इश्यू प्राइस और बाकी डिटेल्स के बारे में जानते हैं।

**नई दिल्ली।** पिछला हफ्ता आईपीओ के लिहाज से काफी ठंडा रहा। लेकिन, इस हफ्ते आईपीओ का मार्केट थोड़ा गुलजार रहने वाला है। 22 अप्रैल से शुरू होने वाले हफ्ते में मेनबोर्ड सेगमेंट में 1 और SME सेगमेंट में तीन आईपीओ खुल रहे हैं। आइए इनके इश्यू प्राइस और बाकी डिटेल्स के बारे में जानते हैं।

**JNK India IPO:** यह आईपीओ 23 अप्रैल को खुलेगा और निवेशक इसे 25 अप्रैल तक सब्सक्राइब कर सकेंगे। प्राइस बैंड 395-415 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मकसद आईपीओ से 649.47 करोड़ रुपये जुटाना है। बोली लगाने के लिए लॉट साइज 36 शेयर है। अगर ऊपरी प्राइस बैंड यानी 415 रुपये के हिसाब से देखें, तो आपको आईपीओ में कम से कम 14,940 रुपये निवेश करना होगा। JNK India के शेयरों की लिस्टिंग 30 अप्रैल को हो सकती है।

**Varyaa Creations IPO:** यह पब्लिक इश्यू 22 अप्रैल को खुलेगा, जिसे 25 अप्रैल तक सब्सक्राइब किया जा सकता है। कंपनी आईपीओ से 20.10 करोड़ रुपये जुटाने वाली है। प्राइस बैंड 150 रुपये प्रति शेयर है। लॉट साइज 1,000 शेयर का है। मतलब कि आपको कम से कम डेढ़ लाख रुपये का निवेश करना होगा। Varyaa Creations की लिस्टिंग भी 30 अप्रैल को हो सकती है।

**Shivam Chemicals IPO:** शिवम केमिकल्स का आईपीओ 23 अप्रैल को खुलकर 25 अप्रैल को बंद होगा। कंपनी अपने पब्लिक इश्यू 20.18 करोड़ रुपये जुटाने वाली है। प्राइस बैंड 44 रुपये प्रति शेयर है। लॉट साइज 3,000 शेयर का रहेगा यानी आपको कम से कम 1,32,000 रुपये का निवेश करना होगा। इसकी लिस्टिंग भी BSE SME पर 30 अप्रैल को होगी।

**Emmforce Autotech IPO:** इस कंपनी का आईपीओ 23 अप्रैल को खुलेगा और इसे 25 अप्रैल तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। Emmforce Autotech आईपीओ से 53.90 करोड़ रुपये जुटाने वाली है। प्राइस बैंड 93-98 रुपये प्रति शेयर है। और लॉट साइज 1,200 शेयरों का रहेगा। मतलब कि इसमें निवेश करने के लिए अपर प्राइस बैंड के हिसाब से आपको कम से कम 1,17,600 रुपये लगाने होंगे।

**22 अप्रैल को को बंद होगा VI FPO**

देश की तीसरी सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया का FPO यानी फॉलोऑन पब्लिक ऑफरिंग 18 अप्रैल को खुला था और यह हफ्ते के पहले ही कारोबारी दिन यानी 22 अप्रैल को बंद होगा। प्राइस बैंड 10- 11 रुपये प्रति शेयर है। लॉट साइज 1,298 शेयर है। हालांकि, अभी तक इसे ज्यादा अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला है।

## FY24 में भरा सरकार का खजाना, अनुमान से अधिक रहा नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन

सरकार को टैक्स कलेक्शन के मोर्चे पर बड़ी सफलता मिली है। वित्त वर्ष 2023-24 में नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन (प्रोविजनल) में सालाना आधार पर 17.7 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। यह 19.58 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह सरकार के अनुमान से कहीं अधिक है। अगर वित्त वर्ष 2022-23 की बात करें तो सरकार को 16.63 लाख करोड़ रुपये का टैक्स कलेक्शन मिला था।

**नई दिल्ली।** सरकार को टैक्स कलेक्शन के मोर्चे पर बड़ी सफलता मिली है। वित्त वर्ष 2023-24 में नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन (प्रोविजनल) में सालाना आधार पर 17.7 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। यह 19.58 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह सरकार के अनुमान से कहीं अधिक है।

अगर वित्त वर्ष 2022-23 की बात करें, तो सरकार को 16.63 लाख करोड़ रुपये का टैक्स कलेक्शन मिला था। मतलब कि नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 2.95 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन (प्रोविजनल) 18.48 प्रतिशत बढ़कर 23.37 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

**22.74% ज्यादा रिफंड जारी किया गया**

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 3.79 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया है। पिछले साल की तुलना में यह 22.74 प्रतिशत अधिक है। ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में से रिफंड जारी करने के बाद बचने वाली रकम नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन होती है।

**पर्सनल इनकम टैक्स की दमदार ग्रोथ**

ग्रॉस पर्सनल इनकम टैक्स सालाना आधार पर 24.26 प्रतिशत बढ़ा और यह 12.01 लाख करोड़ रुपये (प्रोविजनल) हो गया। वहीं नेट पर्सनल इनकम टैक्स 25.23 प्रतिशत की ग्रोथ हुई है। यह 10.44 लाख करोड़ रुपये (प्रोविजनल) रहा।

**कितने टैक्स कलेक्शन का था अनुमान**

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में 18.23 लाख करोड़ रुपये डायरेक्ट टैक्स कलेक्ट करने का टारगेट रखा था। बाद में इसे बढ़ाकर 19.45 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया। अंतरिम नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन बजट अनुमान से 7.40 प्रतिशत और रिवाइज्ड एस्टिमेट से 0.67 प्रतिशत ज्यादा है।

**डायरेक्ट और इनडायरेक्ट टैक्स में क्या अंतर है?**

डायरेक्ट टैक्स को सरकार सीधे जनता से वसूलती है। इसमें कॉरपोरेट और पर्सनल इनकम टैक्स शामिल है। आप शेयर या दूसरे एसेट पर जो टैक्स चुकाते हैं, वह भी डायरेक्ट टैक्स के दायरे में ही आता है।

वहीं, इनडायरेक्ट टैक्स की बात करें, तो यह जनता से सीधे नहीं वसूला जाता, बल्कि नाम के मुताबिक इनडायरेक्टर यानी अप्रत्यक्ष तरीके से लिया जाता है। जैसे कि एक्साइज ड्यूटी, कस्टम ड्यूटी और GST आदि।

## FPI ने अप्रैल में अब तक 5200 करोड़ रुपये निकाले, क्या मॉरीशस है इसकी वजह?

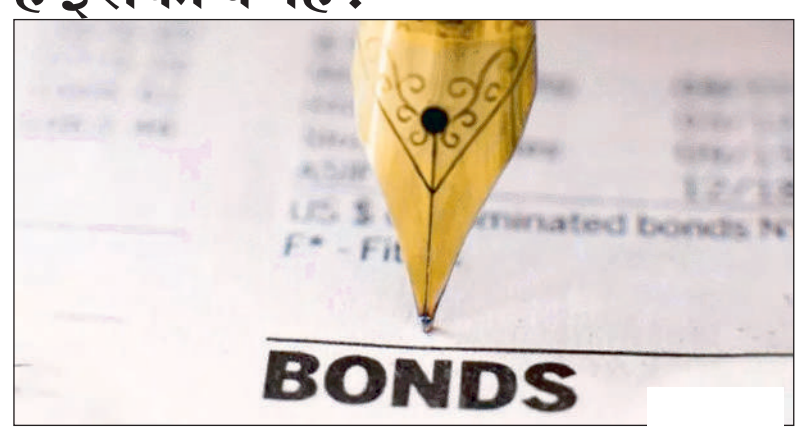


मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव से जुड़ी चिंताओं के कारण विदेशी निवेशकों ने 19 अप्रैल तक 5254 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध निकासी की है। दरअसल सरकार ने मॉरीशस से आने वाले निवेश की पड़ताल सख्त करने का फैसला किया है। मॉरीशस की संस्थाओं के माध्यम से भारतीय बाजारों में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशक अन्य देशों से हैं।

**नई दिल्ली।** मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव से जुड़ी चिंताओं के कारण विदेशी निवेशकों ने 19 अप्रैल तक 5,254 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध निकासी की है। दरअसल, सरकार ने मॉरीशस से आने वाले निवेश की पड़ताल सख्त करने का फैसला किया है।

आंकड़ों से पता चलता है कि इससे पहले मार्च में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का चौंका देने वाला शुद्ध निवेश आया था।

**बिकवाली पर क्या है एक्सपर्ट की राय**

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के सहायक निदेशक (शोध प्रबंधक) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि FPI की निकासी का प्रमुख कारण मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव था, जो अब उसके माध्यम से भारत में किए गए निवेश की अधिक जांच करेगा।

हिमांशु ने कहा कि दोनों देश दोहरे कराधान बचाव समझौते (डीटीएए) में संशोधन करने वाले एक प्रोटोकाल पर आम सहमति पर पहुंच गए हैं। प्रोटोकाल यह निर्धारित करता है कि कर राहत का उपयोग किसी अन्य देश के निवासियों के अप्रत्यक्ष लाभ के लिए नहीं किया जा सकता है।

**मॉरीशस से बड़े पैमाने पर निवेश**

वास्तव में, मॉरीशस की संस्थाओं के माध्यम से भारतीय बाजारों में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशक अन्य देशों से हैं। कुल मिलाकर, इस वर्ष अब तक इक्विटी में कुल निवेश 5,640 करोड़ रुपये और ऋण बाजार में 49,682 करोड़ रुपये रहा है।

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में भारी गिरावट आई थी। निवेशकों ने इजरायल और ईरान के मध्य तनाव की वजह से जमकर बिकवाली की। एक्सपर्ट का मानना है कि इस हफ्ते मॉरीशस ट्रीटी एक बड़ा फैक्टर बन सकती है। ऐसे में आम निवेशकों को कोई भी नया कदम काफी सोचविचार उठाने की जरूरत है।

# विश्व के 1.5 डिग्री तापमान बढ़ने से पहले भारत का जल संकट

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में पानी की कमी एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है क्योंकि ग्लोबल वृामग 1.5 डिग्री की सीमा तक पहुंच रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़े हुए तापमान और मानसून के पैटर्न में बदलाव से पानी की कमी और बदतर हो गई है, जिससे कृषि और आवश्यकताओं की स्थिरता...

भारत में पानी की कमी एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है क्योंकि ग्लोबल वृामग 1.5 डिग्री की सीमा तक पहुंच रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़े हुए तापमान और मानसून के पैटर्न में बदलाव से पानी की कमी और बदतर हो गई है, जिससे कृषि और आवश्यकताओं की स्थिरता खतरे में पड़ गई है। तत्काल कार्रवाई आवश्यक है क्योंकि अस्थिर प्रथाओं और बढ़ते शहरीकरण से जल स्रोत खत्म हो रहे हैं।

भारत को इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार करना होगा कि यदि पर्याप्त शमन उपाय नहीं किए गए, तो पानी की समस्या बदतर हो जाएगी और तापमान बढने और वर्षा अनियमित होने से आजीविका और आर्थिक स्थिरता खतरे में पड़ जाएगी। 1.5 डिग्री ग्लोबल वृामग की स्थिति में देश के स्थायी भविष्य के लिए भारत की जल समस्याओं का समाधान आवश्यक और महत्वपूर्ण है।

बेंगलुरु में हालिया संकट एक भयावह संकेत है कि देश की बदलती जलवायु, अप्रत्याशित मानसून, अत्यधिक तापमान और जल निकायों का कुप्रबंधन इस विशाल देश के लिए गंभीर खतरे हैं।

1000 वर्षों में, भारत ने कृषि, घरेलू खपत और कई अन्य उपयोगों के लिए देश की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हुए एक विस्तृत जल प्रणाली विकसित की है। हालांकि, 1.4 अरब से अधिक की आबादी के साथ, उन मांगों में नाटकीय रूप से विस्तार हुआ है। कृषि, घरेलू उपभोग और अन्य उद्योगों के क्षेत्र, जो पहले से ही लेन-देन के सूक्ष्म संबंध में थे, काफी तनावपूर्ण हो गए हैं।

भारत की 1.4 अरब की मजबूत आबादी ने सभी क्षेत्रों में मांग को बढ़ावा दिया है, जो स्वाभाविक रूप से जल संसाधनों की घटती उपलब्धता से पूरा हुआ है। ऐसा मुख्य रूप से अपर्याप्त दूरदर्शिता और योजना के कारण हुआ है और अक्सर इसके परिणामस्वरूप जल संसाधनों की कमी हो गई है। भारत में जल संकट के लिए जिम्मेदार एक अन्य महत्वपूर्ण कारक मानसून पैटर्न में बदलाव है। मानसून का मौसम पहले कृषि के लिए वरदान था, लेकिन हाल के दिनों में इसमें अप्रत्याशितता बढ़ गई है। रुक-रुक कर भारी वर्षा के साथ लंबे समय तक शुष्क मौसम आम हो गया है, जिससे पारंपरिक खेती के पैटर्न बाधित हो रहे हैं और कृषि उत्पादन कम हो रहा है। यह प्रवृत्ति खाद्य सुरक्षा और लाखों कृषि नौकरियों में बदलाव को खतरे में डालती है। जलवायु प्रक्षेपवक्र के बीच तात्कालिकता : सबसे गंभीर समस्याओं में से एक को याद

रखना आवश्यक है जिसे आगामी चुनावों से पहले दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों में से एक में हल नहीं किया जाएगा-बढ़ते मौसम के मिजाज के बीच भारत में जल संसाधनों का कुप्रबंधन। बेंगलुरु में हालिया जल संकट केवल एक छोटी सी चेतावनी थी जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि गंभीर जलवायु-प्रेरित मुद्दों से बचने के लिए भारत की जल सुरक्षा की रक्षा के लिए व्यापक उपाय जल्द ही लागू किए जाने चाहिएं। हालांकि, भारत में पानी की समस्या जितनी दिखती है उससे कहीं अधिक बहुस्तरीय और जटिल है। यह किसी विशेष मुद्दे तक सीमित नहीं है, जैसे कि तेजी से शहरीकरण, औद्योगिक विकास, कृषि और अपर्याप्त बुनियादी ढांचा; जलवायु परिवर्तन भी इन और अन्य समस्याओं को बढ़ा देता है। अप्रत्याशित मानसून और बढ़ता तापमान केवल पानी की कमी को बढ़ाता है, जिससे लोगों और अर्थव्यवस्था की कृषि और उद्योग जैसी सबसे बुनियादी जरूरतें कमजोर हो जाती हैं।

बेंगलुरु, जिसे कभी-कभी भारत की सिलिकॉन वैली भी कहा जाता है, में गंभीर जल संकट था, जो इस बात को उजागर करता है कि शहरी क्षेत्र पानी की कमी के प्रति कितने संवेदनशील हैं। शहर जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील है क्योंकि यह अस्थिर भूजल निकासी और अपर्याप्त वर्षा जल संग्रहण सुविधाओं पर निर्भर है। यदि पूर्व-निवारक कदम नहीं उठाए गए, तो तापमान बढने और वर्षा अधिक अनियमित होने के कारण ऐसी स्थितियां अधिक बार और गंभीर होने की संभावना है।

भारत के जल संसाधनों के गलत प्रबंधन के शहरों से परे भी दूरगामी परिणाम हैं। जनसंख्या का एक बड़ा प्रतिशत कृषि में कार्यरत है, जो इसे विशेष रूप से असुरक्षित बनाता है। अप्रत्याशित मौसम के साथ, मानसून की बारिश पर निर्भर पारंपरिक खेती के तरीके अब टिकाऊ नहीं रह गए हैं। सूखे, बाढ़ और भूजल स्तर में गिरावट के कारण किसानों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उनके कारण फसल की विफलता होती है। इसके अलावा, पानी की कमी भारत के औद्योगिक क्षेत्र को भी प्रभावित करती है, जो देश के आर्थिक विस्तार का मुख्य इंजन है। शीतलन, स्वच्छता और विनिर्माण कार्यों के लिए कई व्यवसायों के लिए पानी आवश्यक है। उत्पादन को खतरे में डालने के अलावा, घटती जल आपूर्ति भी इन उद्योगों में काम करने वाले लाखों लोगों की आजीविका को खतरे में डालती है।

भारत की जल दुविधा का समाधान : भारत की जल दुविधा के लिए मजबूत नीति निर्णय और वैज्ञानिक समझ के संयोजन वाली एक बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, जल संसाधनों के बेहतर प्रशासन और प्रबंधन की सख्त जरूरत है। इसमें कानूनी ढांचे को मजबूत करना, जल-बचत नवाचारों को वित्त पोषित करना और उद्योगों में पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार को प्रोत्साहित करना शामिल है।-अंजल प्रकाश

# लू की खबर पढ़ते हुए लाइव टीवी पर बेहोश हुई टीवी एंकर, लोगों से की ये अपील

लोपामुद्रा सिन्हा ने घटना के बाद सोशल मीडिया पर लाइव आकर घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी के चलते उनका ब्लड प्रेशर कम हो गया था, जिसकी वजह से वे बेहोश हो गईं।

भारत इन दिनों भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। देश के कई इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर चला गया है। लू और भीषण गर्मी के चलते ही कोलकाता में एक टीवी एंकर लाइव टीवी पर खबरें पढ़ते हुए बेहोश हो गईं। जिस वक्त टीवी एंकर बेहोश हुई, उस वक्त भी वह लू की खबर ही पढ़ रहीं थी।

**टीवी एंकर ने बताई आपबीती :** दूरदर्श की कोलकाता शाखा में बतौर टीवी एंकर काम करने वाली लोपामुद्रा सिन्हा हाल ही में अपने कार्यक्रम में समाचार पढ़ रहीं थी। जब लोपामुद्रा देश में लू चलने की खबर को पढ़ रहीं थी, उसी दौरान उनकी तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश हो गईं। हालांकि कार्यक्रम के प्रोड्यूसर ने समय से ही लोपामुद्रा के बेहोश होने की स्थिति को भांप लिया था और टीवी पर एक एनीमेशन चला दिया, जिससे कार्यक्रम के दौरान असहज स्थिति न बने। बाद में चैनल के सहकर्मी किसी तरह लोपामुद्रा को मुंह पर पानी के छींटे मारकर उन्हें होश में लाए। लोपामुद्रा सिन्हा ने घटना के बाद सोशल मीडिया पर लाइव आकर घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी के चलते उनका ब्लड प्रेशर कम हो गया था, जिसकी वजह से वे बेहोश हो गईं। टीवी एंकर ने ये भी कहा कि घटना के समय टीवी स्टूडियो के एसी में खराबी के चलते वहां गर्मी ज्यादा थी। ऐसे में उनकी तबीयत बिगड़ी। लोपामुद्रा सिन्हा ने अपने फेसबुक लाइव में लोगों से अपील की कि इस गर्मी के मौसम में वे पर्याप्त पानी पीएं ताकि तबीयत न बिगड़े। उन्होंने लाइव टीवी पर बेहोश होने के लिए माफी भी मांगी और अपने टीवी प्रोड्यूसर को धन्यवाद दिया कि उन्होंने स्थिति को संभाल लिया था।

**देश के कई इलाकों में तापमान सामान्य से 7-8 डिग्री ज्यादा**

शनिवार को देश के कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से सात से आठ डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया। पश्चिम बंगाल की बात करें तो बंगाल के बांकुरा और मिदनापुर में अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस और 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

# India@2047 Conference ( भारत के महारथी सम्मान 3.0 ) का हिस्सा बनिए , बताइए कैसे आप या आपकी कंपनी विकसित भारत 2047 मुहिम में अपनी सहभागिता दर्ज कर रही है

परिवहन विशेष न्यूज

**अहमदाबाद।** 10 मई 2024 को अहमदाबाद गुजरात के साइंस सिटी विज्ञान भवन हॉल में आयोजित India@2047 Conference ( भारत के महारथी सम्मान 3.0 ) का हिस्सा बनिए , बताइए कैसे आप या आपकी कंपनी विकसित भारत 2047 मुहिम में अपनी सहभागिता दर्ज कर रही है, कार्यक्रम में पूरे भारत से लगभग 5000 लोग शामिल हो रहे हैं , बॉलीवुड सेलिब्रिटी गुलशन ग्रोवर भी लोगों की हौसला आफजाई करने के लिए 10 मई को मौजूद रहेंगे , जैसा आप सब जानते हैं कि International Business Startup and Entrepreneurs Association ( IBSEA ) ने Allso Group , Federation Of Entrepreneurs ( FOE ) , Jyotish Punj , Start-up सारथी के सहयोग से विकसित भारत मुहिम में कार्य कर रहे कुछ लोगों को सम्मानित करने का फैसला लिया है , भारत के महारथी सम्मान से प्रत्येक वर्ष 200 चुनिंदा हस्तियों को सम्मानित किया जाता है , यह भारत के महारथी सम्मान का 3.0 कार्यक्रम है ( अब तक देश के 400 दिग्गजों को इस सम्मान से नवाजा जा चुका है ) तो यदि आप भी बनाना चाहते हैं इस कार्यक्रम का हिस्सा , करना चाहते हैं अपनी Image Building , बढ़ाना चाहते हैं अपना Network+ Knowledge & Sales तो तुरंत जुड़िए।

आप इस कार्यक्रम में Speaker के तौर पर , Panelist के तौर पर , Awardee के तौर पर या सहयोगी के तौर पर शामिल हो सकते हैं, यदि आप हजारों गणमान्यों के बीच में किसी भी चीज की लॉन्चिंग करना चाहते हैं , चाहे वह आपकी पुस्तक हो, ब्रांड हो सर्विस हो तो यह आपके लिए अच्छा मंच साबित हो सकता है।

इस सम्मान के जरिए पिछले 2 सालों में तमाम नए लोगों को नई पहचान मिली है । Awardees का चयन एक अति विशिष्ट Jury Panel के द्वारा किया जाएगा।

**आवेदन सिर्फ 5 मई तक ही मान्य हैं !!**

आपके पास यह सुनहरा मौका है कि आप भी इस भव्य आयोजन का हिस्सा बने।

कार्यक्रम की पूरी जानकारी : https://youtu.be/tOtg44qvm0E?si=9E4wxDUbn0na9zrE

This Conference Is Organised By : International Business Startup and Entrepreneurs Association , IBSEA ( www.ibsea.in )

Powered By : Astrological Long Life Service Operator ( ALLSO : www.allso.in ) & Prof Kartik Rawal ( Founder : Ved Shastra Astro Pvt Ltd , Allso Group )

Conceptualized And Executed By : Anshumaan Singh ( www.anshumaansingh.com )

तो आप भी बिना देरी किए बने इस महारथियों के महाकुंभ का हिस्सा क्योंकि जिन्होंने बढ़ाया है देश का मान हम करेंगे उनका सम्मान

हमारे द्वारा आयोजित किए गए भारत के महारथी सम्मान 1.0 एवम 2.0 की जानकारी यहां से प्राप्त करें :

https://shorturl.at/cehY2

अधिक जानकारी के लिए Visit करें।

www.bharatkemaharathi.com

YouTube पर लोगों की प्रतिक्रिया देखें

Edition 01 : https://youtube.com/playlist?list=PLAKpRKRVR7P2fSyu5S331HlkpGdi75XCV&si=Qo-k0kdsdv-s3IKD

Edition 02 : https://youtube.com/playlist?list=PLvPUw-YtSImhcX2TlZrHCE0PHpYpsSHMb&si=byzmkQ_5UJgl5MJ1

Complete Snapshot: https://youtu.be/TPOP02IC2HA?si=lkH2D9Iq9Vs2BsUF

Feedbacks : https://surl.li/suncl

Bollywood Celebrity गुलशन ग्रोवर जी का कन्फर्मेशन मैसेज : https://shorturl.at/svwBS

किसी भी अन्य जानकारी के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके सीधे हमसे जुड़े :

https://wa.me/message/4PBGINZ7533ZK1a

Nomination Link : https://bharatkemaharathi.com/registration/

# राहुल ने साझा किया ट्रेन के टॉयलेट में सफर करते यात्रियों का वीडियो, मोदी सरकार पर लगाए ये आरोप

**नई दिल्ली।** कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए पर रेलवे को अयोग्य बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र रेलवे को अयोग्य साबित कर इसे अपने दोस्तों को बेचने वाली है। इसी के साथ कांग्रेस नेता ने लोगों से मोदी सरकार को हटाकर आम आदमी के परिवहन को बचाने की अपील की है। राहुल ने रेलवे के बाथरूम और फर्श पर बैठकर यात्रा करने वाले यात्रियों की एक वीडियो शेयर कर मोदी सरकार को घेरा है।

**राहुल ने वीडियो शेयर कर मोदी सरकार को घेरा**

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कई लोगों को ट्रेन के बाथरूम और फर्श पर बैठकर यात्रा करते हुए देखा गया। इस पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल ने अपने पोस्ट में कहा, ₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ट्रेन से यात्रा करना अब सजा बन गया है। मोदी सरकार आम लोगों के ट्रेनों से जनरल कोच कम कर केवल एलीट ट्रेनों को बढ़ावा दे रही है। ऐसा करते हुए सरकार हर वर्ग के यात्रियों को परेशान कर रही है। आम आदमी की ट्रेनों से जनरल डिब्बे कम कर सिर्फ 'एलीट ट्रेनों' का प्रचार कर रही मोदी सरकार में हर वर्ग का यात्री प्रताड़ित हो रहा है।

# प्रधानमंत्री मोदी के भोपाल रोड शो के पूर्वाभ्यास को लेकर भोपाल यातायात पुलिस की ट्रैफिक एडवाइजरी

परिवहन विशेष न्यूज

दिनांक-24 अप्रैल 2024 को माननीय प्रधानमंत्री महोदय के भोपाल रोड शो के पूर्वाभ्यास के दौरान दिनांक 22.04.2024 तथा 23.04.2024 को आवश्यकतानुसार यातायात डायवर्सन व्यवस्था निम्नानुसार रहेगीः-

माननीय प्रधानमंत्री महोदय के भ्रमण के पूर्वाभ्यास में यातायात पुलिस भोपाल द्वारा लगभग 900 पुलिस कर्मी तैनात रहेगे।

(1)माता मंदिर से रोशनपुरा एवं रोशनपुरा से लिली टाकिज चैराहे तक रोड शो हेतु डायवर्सन व्यवस्था दोपहर 14:00 बजे से 19:00 बजे तक।

(1) माता मंदिर से रोषनपुरा तक आगे जाने वाले वाहन माता मंदिर से गीतांजली चैराहा, डिपो चैराहा ,स्मार्टसिटी रोड होते हुए पालीटेक्निक चैराहे पर जा सके।

(2) रंगमहल से लिली टाकिज आने जाने वाले वाहन रंगमहल से पलास तिराहा, केएल प्रधान, मछली घर, खटला पुरा, पीएचक्यू से लिली टाकिज की ओर जा सकेगे।

1. सभी प्रकार के मालवाहक, भारी, व्यावसायिक एवं अनुमति प्राप्त वाहन आवश्यकतानुसार( समय दोपहर::14:00 बजे से 19:00 बजे तक)

ऽ नरसिंहगढ तिराहे से लालघाटी व्हीआइपी रोड पालीटेक्निक से गांधी पार्क, माता मंदिर रंगमहल से भारत टाकिज हमीदिया रोड पर आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा ।

::लोक परिवहन यान एवं आम वाहनों के

लिए डायवर्सन एवं यातायात व्यवस्थाः:

अनुमति प्राप्त सभी प्रकार के माल वाहक भारी वाहनों का प्रवेश उपरोक्त सम्मेलन स्थल की ओर आने वाले मार्गों डीबी मॉल तिराहे से जेल मुख्यालय रोटरी की ओर, लिली चौराहे से पुलिस मुख्यालय की ओर, रंगमहल से कन्ट्रोल रुम तिराहा तक तथा रोषनपुरा तिराहे से माता मंदिर तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा ।

ऽ रंगमहल चौराहा से भारत टॉकीज की ओर जाने वाले दो पहिया एवं चार पहिया वाहन बाणगंगा, मछलीघर, खटलापुरा, पी.एच.क्यू. तिराहा, लिली टॉकीज होते हुये भारत टॉकीज की ओर जा सकेंगे। टी.टी.नगर से रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड की ओर जाने वाली मिनी बसें एवं बड़ी बसें माता मंदिर लिंक रोड नंबर02 से होते हुये अर्जुन नगर ( परशुराम चौराहा ) 1250 चैराहा से बोर्ड आफिस चौराहा,डीबी मॉल, प्रेस कॉम्प्लेक्स, बीएसएनएल तिराहा, ई.ओ.डब्ल्यू आफिस के सामने, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, मैंदा मिल तिराहा, सुभाष नगर आरओबी ब्रिज, प्रभात चैराहा, बोगदापुल से होकर भारत टॉकीज होते हुये अपने गंतव्य स्थान तक जा सकेगी।

ऽ भारत टॉकीज से रंगमहल की ओर जाने वाले दो पहिया एवं चार पहिया वाहन लिली टॉकीज पी.एच.क्यू. तिराहा, खटलापुरा, मछलीघर, बाणगंगा, होते हुये रंगमहल की ओर जा सकेगें। बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेशन से टी.टी.नगर, न्यू मार्केट की ओर आने वाली मिनी बसें एवं बड़ी बसें भारत टॉकीज से होते हुये पुल बोगदा, प्रभात चौराहा,सुभाष नगर आरओबी ब्रिज, मैदा मिल तिराहा, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, ई.ओ.डब्ल्यू आफिस के सामने, बीएसएनएल तिराहा, प्रेस कॉम्प्लेक्स, डीबी मॉल, बोर्ड आफिस चैराहे से होते हुये अपने गंतव्य स्थान तक जा सकेगी।

**नगरीय यातायात पुलिस भोपाल**

# मुबई में एक ही दिन में घूमने वाले स्थल

मुंबई की बिजी और लोकल ट्रेन के किस्से तो सभी लोगों ने सुने होंगे. मुंबई भारत की फाइनेंशियल कैपिटल है और अपनी हलचल के चलते जानी जाती है. लेकिन इसके आसपास ऐसी कई सारी जगहें हैं जो काफी शांत और सुकून देने वाली हैं. यहां कई ऐसी ऑफबीट जगहें हैं, जहां आप अपने दोस्तों और फैमिली के साथ कहीं घूमने का प्लान कर सकते हैं. इस आर्टिकल में हम आपको मुंबई के आसपास की जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां जाकर आपको वाकई काफी अच्छा लगेगा. ये सभी घूमनें वाली जगहें मुंबई से 100 से 150 किलोमीटर की दूरी पर है. यहां पर आप वीकेंड ट्रिप भी बना सकते हैं.

**लोनावला हिल स्टेशन**

मुंबई से महज कुछ ही दूरी पर लोनावला देश के सबसे फेमस पर्यटन स्थलों में से एक है. ये हिली जगह लोगों के मन को खूब भाती है. खासकर गर्मियों में लोनावना देखने खूब सारे लोग आते हैं लेकिन मानसून के दौरान ये जगह और भी निखर जाती है. इस दौरान होने वाली बारिश से यहां की खूबसूरती और भी बढ़ जाती है. यहां का हरा-भरा वातावरण और झरने आपका मन मोह लेंगे.

**कामशेत**

मुंबई का कामशेत भी लोगों के घूमने के लिए शानदार जगहों में से एक है. ये जगह लोनावला से 16 किलोमीटर की दूरी पर है. यहां

कोंडेश्वर मंदिर तक आप ट्रेकिंग करके जा सकते हैं. इसके अलावा अगर आप पैराग्लाइडिंग करना चाहते हैं, तो उसके लिए भी ये बेस्ट जगह है.

**मालशेज घाट**

मुंबई से इसकी दूरी सिर्फ 125 किलोमीटर की दूरी पर है. ये महाराष्ट्र के सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों में शुमार किया जाता है. इस जगह को वैसे तो अपनी खूबसूरत पहाड़ियों की वजह से जाना जाता है लेकिन ये एडवेंचर्स एक्टिविटीज के लिए भी फेमस है. इल घाटी की थोड़ी ही दूरी परडैम भी बनाया गया है. इस जगह पर भी आप घूमने जा सकते हैं.

**माथेरन हिल स्टेशन**

ये हिल स्टेशन मुंबई से 85 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. यहां मुंबई और इसके आसपास रहने वाले लोग खूब घूमने जाते हैं. माथेरन हिल स्टेशन से पूरी सहयाद्री माउंटेन रेंज का नजारा दिखता है. पूरे एशिया का एकमात्र ऑटोमोबाइल फ्री डेस्टिनेशन है।

# 'क्रिकेट तो खत्म हुआ, अब बंगाल की जनता के लिए करूंगा काम', राजनीतिक में कदम रखने पर बोले यूसुफ पठान

परिवहन विशेष न्यूज

युसूफ पठान अब पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीद भी हैं। वे कहते हैं कि क्रिकेट से उन्होंने पूरी तरह से संन्यास ले लिया है, इसलिए अब वे राजनीति में आ गए हैं। अब वे जी-जान से राजनीति करना चाहते हैं।

**नई दिल्ली।** क्रिकेट की दुनिया का जानामाना नाम रहे युसूफ पठान अब पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीद भी हैं। वे कहते हैं कि क्रिकेट से उन्होंने पूरी तरह से संन्यास ले लिया है, इसलिए अब वे राजनीति में आ गए हैं। अब वे जी-जान से राजनीति करना चाहते हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर से नेता बने युसूफ पठान बहरामपुर में कांग्रेस के दिग्गज नेता अधीर रंजन चौधरी के खिलाफ मैदान में उतरे हैं। यूसूफ पठान को तृणमूल कांग्रेस से टिकट दिया गया है। युसूफ पठान ने वर्ष 2021 में क्रिकेट से पूरी तरह से संन्यास ले लिया था।

सूफ पठान अपने छक्कों के लिए क्रिकेट प्रेमियों के प्रिय थे। युसूफ पठान कहते हैं कि हर दिन उनमें राजनीति को लेकर आत्मविश्वास आता जा रहा है। वे कहते हैं कि इस लोकसभा सीट से कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी उनके लिए बहुत सम्मानीय हैं। हालांकि राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि युसूफ पठान अधीर रंजन चौधरी के लिए बड़ी चुनौती बन रहे हैं।

वहीं युसूफ पठान कहते हैं कि, ₹मैं भाग्यशाली हूं कि मैं ऐसी जगह पर आया हूं जहां लोग मुझसे कह रहे हैं 'आप को हम यहां से जाने नहीं देंगे'। उन्होंने बताया कि लोग उनको अपने बेटे, दोस्त और भाई के रूप में स्वीकार कर चुके हैं। चुनाव का परिणाम जो भी हो, मैं यहां की जनता से हमेशा जुड़ा रहूंगा।

**लोगों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे अधीर रंजन**

कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी के बारे में यूसुफ पठान ने कहा कि लोगों का आरोप है कि वे यहां रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए आवश्यक केंद्रीय अनुदान लाने में असफल रहे। उन्होंने कहा कि यदि वे चुनाव जीत जाते हैं तो प्रवासी श्रमिकों को रोकने नौकरी के अवसर पैदा करने, विश्वस्तरीय खेल परिसर का निर्माण करना आदि के लिए काम करूंगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023